मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्ष: 9 अंक 42
बुधवार, 19 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

'बच्चों से झूठ मत बोलिए', जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में लाठीचार्ज पर राहुल गांधी का सरकार पर तंज

नई दिल्ली, 18 अगस्त। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने दावा किया था कि दिल्ली में जुलाई में हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान किसी भी छात्र को गंभीर चोट नहीं आई। इस पर राहुल गांधी ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा, 'सरकार की झूठ बोलने की कोशिशें काम नहीं करेंगी, क्योंकि छात्रों के पास भी आंखें और याददाश्त होती है।'राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मोदी सरकार के मंत्री कह रहे हैं कि दिल्ली पुलिस की तारीफ होनी चाहिए।'राहुल गांधी ने सवाल पूछते हुए आगे लिखा, 'संसद से आधे किलोमीटर की दूरी पर, शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पैलेट गन चलाई गईं, कीलें लगी लाठियों का इस्तेमाल किया गया। एक बच्चे की आंख चली गई और एक लड़की का कान कट गया। क्या हमें इस बर्बरता की तारीफ करनी चाहिए?'

राहुल गांधी ने आगे बताया, 'मैं खुद उन घायल बच्चों से मिला हूं। देश ने हजारों वीडियो देखे हैं। इस सरकार का मूल मंत्र झूठ और हिंसा है। पहले बच्चों को लाठियों से पीटो, फिर दावा करो कि कुछ हुआ ही नहीं।'कांग्रेस नेता ने आगे लिखा, पूरे सत्र के दौरान, गायब रहे अमित शाह विपक्ष से बचते रहे और प्रधानमंत्री ने आज तक छात्रों से माफी नहीं मांगी है।' राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधते हुए लिखा, 'सच तो यह है कि इस देश के लिए सबसे बड़ा खतरा ऐसे नासमझ लोगों से है, जो न तो अपनी गलतियां देखते हैं और न ही गलती होने पर उन्हें मानते

हैं। इस देश के बच्चों से झूठ मत बोलिए। उनके पास भी आंखें और याददाश्त है।'अल्पसंख्यक मामलों और संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू से बिहार के सिवान में विरोध प्रदर्शन के दौरान एक पुलिसकर्मी द्वारा AK-47 से गोली चलाने की घटना के बारे में पूछा गया था। किरेन रिजिजू ने कहा, 'देखिए, मैं यह बात इसलिए बार-बार दोहरा रहा हूं ताकि आपके और लोगों के मन में यह बात पूरी तरह साफ हो जाए। एक भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई, किसी की हड्डी नहीं टूटी। किसी भी प्रदर्शनकारी को गंभीर चोट के कारण अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया।' रिजिजू ने आगे कहा, 'इतना बड़ा प्रदर्शन - हजारों लोग शामिल हुए। छात्रों की आड़ में बहुत सारे अपराधी भी इसमें शामिल हो गए। आधे से ज्यादा लोग, चाहे वे आम आदमी पार्टी के हों, डफली बजाने वाले हों, भीम आर्मी के हों या समाजवादी पार्टी के - इतने सारे लोग आए और भीड़ को हिंसा के लिए उकसाया। फिर भी, एक भी मौत नहीं हुई।'मंत्री ने आगे कहा, 'जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब ऐसे प्रदर्शनों के दौरान हजारों लोग मारे गए थे और दिल्ली पुलिस तारीफ की हकदार है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा कदम: आरोपी की फोटो वायरल करने पर केंद्र, एक्स और मेटा को भेजा कड़ा नोटिस

नई दिल्ली, 18 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, सभी राज्यों और एक्स और मेटा जैसी सोशल मीडिया कंपनियों को नोटिस भेजा है। कोर्ट के सामने एक याचिका आई है जिसमें पुलिस विभागों की उस आदत को चुनौती दी गई है, जिसके तहत वे अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर आरोपियों की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते हैं। मामले का मुख्य मुद्दा क्या है? याचिकाकर्ता चाहता है कि ऐसे साफ नियम बनें जो पुलिस को ऐसी कोई भी चीज शेयर करने से रोकें जिससे आरोपियों की पहचान जाहिर हो या ऑनलाइन उनकी बेइज्जती हो। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकरनारायणन ने याचिकाकर्ता का पक्ष रखा।

यह कोई आम मांग नहीं है।

याचिका में तुरंत कार्रवाई की मांग की गई है। राज्यों को पुलिस के ऑफि शियल अकाउंट से ऐसी कोई भी पोस्ट हटानी चाहिए जिनमें आरोपियों के चेहरे या पहचान दिख रही हो, खासकर तब जब वे तस्वीरें अपमानजनक हों। जैसे हथकड़ी लगे संदिग्ध, रस्सियों से बंधे लोग, डंडों से पीटे जा रहे लोग, घुटनों के बल बैठने पर मजबूर किए गए लोग या सीढ़ियों से घसीटे जा रहे लोग। याचिका साफ कहती है: पुलिस को अपने ऑफि शियल चैनलों पर ऐसी तस्वीरें या वीडियो नहीं दिखाने चाहिए।

इसके अलावा, याचिका में पुलिस विभागों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर व्यापक गाइडलाइंस की मांग की गई है। इन नियमों से पुलिस को ऐसा कंटेंट अपलोड करने से रोका जाएगा जिससे या तो आरोपी की पहचान उजागर होती हो या उन्हें अपमानजनक या अमानवीय स्थिति में डाला जाता हो चाहे वह अभी हो या भविष्य में।

मेटा के प्लेटफॉर्म्स इंस्टाग्राम और फेसबुक पर भी ध्यान दिया गया है। याचिकाकर्ता चाहता है कि वे आगे आएं और ऐसी ठोस पॉलिसी और यूजर गाइडलाइंस लागू करें जो इस तरह के कंटेंट को फैलने से रोकें। साथ ही, एक सही रिपोर्टिंग सिस्टम की भी मांग की गई है ताकि लोग आपत्तिजनक कंटेंट की रिपोर्ट कर सकें और उसे जल्द से जल्द हटवाया जा सके।

हाथ में ग्रेनेड लेकर स्कूल पहुंचा छात्र, भीषण बम विस्फोट में बच्चों समेत 52 से ज्यादा लोग घायल

काबुल, 18 अगस्त। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक स्कूल के पास हुए ग्रेनेड धमाके ने हड़कंप मचा दिया। पश्चिमी काबुल के दश्त-ए-बर्ची इलाके में Sham-e Hedayat प्राइवेट स्कूल के पास हुए विस्फोट में बच्चों समेत 52 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर एक ग्रेनेड स्कूल के छात्र के हाथ तक कैसे पहुंचा और वह कैसे फट गया? स्थानीय मीडिया के मुताबिक, तालिबान पुलिस के प्रवक्ता खालिद जादरान ने पुष्टि की कि धमाका हाथ से फेंके जाने वाले ग्रेनेड से हुआ था। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि ग्रेनेड किसके पास था या उसमें विस्फोट कैसे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ग्रेनेड एक छात्र के पास था और उसी दौरान विस्फोट हो गया। बताया गया है कि वह छात्र भी

धमाके में घायल हुआ है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि छात्र को ग्रेनेड कहां से मिला और उसने उसे अपने पास क्यों रखा था।

घटना सोमवार को पश्चिमी काबुल के दश्त-ए-बर्ची इलाके में हुई। यह घनी आबादी वाला क्षेत्र है और पहले भी यहां स्कूलों तथा शैक्षणिक संस्थानों को निशाना बनाकर कई घातक हमले हो चुके हैं। इलाके में बड़ी संख्या में हजारा और शिया समुदाय के लोग रहते हैं। पिछले कई वर्षों से यह क्षेत्र सुरक्षा चुनौतियों का सामना करता रहा है। धिकारियों ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि ग्रेनेड का विस्फोट महज एक हादसा था या इसके पीछे कोई जानबूझकर की गई कार्रवाई थी। अफगानिस्तान में मानवाधिकारों की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत Richard Bennett ने घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसे बच्चों को नुकसान पहुंचाने वाला घिनौना हमला बताया और घटना की पूरी व स्वतंत्र जांच की मांग की। Bennett ने कहा कि जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। को भी अफगानिस्तान के भविष्य और संघर्ष के बाद की रिकवरी के लिए बड़ी चुनौती बताया है।

गॉल टेस्ट में जीत के लिए भारत को चाहिए छह विकेट, अंतिम दिन श्रीलंका कर पाएगी वापसी? फिर चमके सुथार

गॉल, 18 अगस्त। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ गॉल में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन शिकंजा कस लिया है। भारत ने श्रीलंका के सामने जीत के लिए 372 रनों का लक्ष्य रखा। श्रीलंका ने दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में चार विकेट पर 84 रन बना लिए हैं। श्रीलंका को अब आखिरी दिन जीत के लिए 288 रन बनाने हैं, जबकि भारत को अगर सीरीज में बढ़त लेनी है तो उसे छह विकेट गिराने होंगे। स्टंप्स के समय धनंजय डि सिल्वा 31 और सोनल दिनुषा 25 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

भारत को दूसरी पारी में ऑलआउट करने के बाद श्रीलंका दूसरी पारी में उतरी। श्रीलंका के लिए यह लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं है। यह लक्ष्य गॉल स्टेडियम में टेस्ट क्रिकेट में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़े स्कोर के रिकॉर्ड से ज्यादा है। गॉल में अब तक सबसे बड़ा सफल लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के नाम है, जिसने 2022 में 344 रन का लक्ष्य हासिल किया था। अब श्रीलंकाई बल्लेबाजों के सामने यह चुनौती होगी कि वह पांचवें दिन वापसी कर पाते हैं या नहीं।

श्रीलंका का शीर्ष क्रम एक बार फिर लड़खड़ा गया और मानव सुथार की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका को शुरूआती झटके दिए। मोहम्मद सिराज ने निशान मदुश्का को अपना शिकार बनाया। मदुश्का छह रन बनाकर आउट हुए। फिर सुथार ने पसिंदु सूयाबांदारा को पवेलियन भेजा जो खाता भी नहीं खोल सके। प्रसिद्ध

कृष्णा ने कामिंदु मेंडिस (2) और सुथार लाहिरु उदारा (16) को आउट कर श्रीलंका की पारी लड़खड़ा दी। श्रीलंका ने 47 रन के स्कोर पर ही चार विकेट गंवा दिए और वह भारतीय गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते दिखी। हालांकि, डि सिल्वा और सोनल ने पांचवें विकेट के लिए अब तक 37 रनों की साझेदारी की और श्रीलंका को मुश्किल से उबारने की कोशिश की। इन दोनों बल्लेबाजों के सामने अब अंतिम दिन भारतीय गेंदबाजों से निपटने की चुनौती होगी। भारत के लिए दूसरी पारी में अब तक सुथार ने दो और सिराज तथा प्रसिद्ध ने एक-एक विकेट लिया है।

इससे पहले, चौथे दिन भारत ने दूसरी पारी की शुरूआत की। भारत के पास पहले ही 178 रन की बढ़त थी। लेकिन दूसरी पारी में उसकी बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही। ऋषभ पंत की 66 रन की आक्रामक पारी और देवदत्त पडिक्कल के शानदार 44 रन की बदौलत भारत ने दूसरी पारी में 193 रन बनाकर श्रीलंका के सामने जीत के लिए 372 रन का बेहद मुश्किल लक्ष्य रखा। श्रीलंका के गेंदबाजों ने पिच और परिस्थितियों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए लेकिन केएल राहुल (35) और पडिक्कल के बाद पंत ने भारतीय खेमे की चिंता को ज्यादा बढ़ने नहीं दिया।

पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में आक्रामक शॉट लगाते हुए कभी शरीर को घुमाया, कभी झुककर शॉट खेले और इस दौरान कई बार अपना संतुलन भी खोया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के फैसले पर झारखंड के छात्र सहमत, वापस लिया विरोध प्रदर्शन

रांची। झारखंड के छात्रों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास के घेराव का अपना प्लान रद्द कर दिया।

यह फैसला राज्य सरकार द्वारा 2014 से आउटसोर्स एजेंसी के जरिए आयोजित भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा के कुछ दिनों बाद लिया गया। भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर आंदोलन की अगुवाई कर रहे JPSC-JSSC रिफॉर्म्स मंच ने मुख्यमंत्री आवास के घेराव का प्लान बनाया था और राज्य भर के छात्रों से रांची में इकट्ठा होने की अपील की थी। यह विरोध प्रदर्शन खत्म करने का फैसला राज्य सरकार द्वारा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग-संयुक्त स्नातक स्तर परीक्षा और 2014 से आउटसोर्स एजेंसी TSR डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित सभी भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने के बाद लिया गया है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद: विफल रही बात, हिंदू पक्षकार बोले- नहीं देंगे मस्जिद के लिए एक इंच जमीन

मथुरा, 18 अगस्त। श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही मस्जिद ईदगाह विवाद मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर चल रही सुलह-समझौते की कोशिशें एक बार फिर नाकाम साबित हुई हैं। मथुरा के सुलह समझौता केंद्र में मंगलवार को होने वाली दूसरी वार्ता मुस्लिम पक्ष की अनुपस्थिति के कारण विफल हो गई। मुस्लिम पक्ष के न आने पर कोर्ट ने पत्रावली पर सुनवाई स्थगित कर दी है। अब इस अहम विवाद की सुनवाई सीधे सुप्रीम कोर्ट में 21, 22 और 23 अगस्त को की जाएगी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष और हिंदू पक्ष के अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मंगलवार को सुलह केंद्र में दूसरी सुनवाई तय थी, लेकिन मुस्लिम पक्ष वहां उपस्थित नहीं हुआ। इससे

पहले 7 अगस्त को भी दोनों पक्षों के बीच वार्ता हुई थी, जो पूरी तरह बेनतीजा रही थी।

अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने अपना रुख कड़ा करते हुए स्पष्ट किया कि पहले मुस्लिम पक्ष के सामने मस्जिद हटाने के बदले अन्य जगह जमीन देने का प्रस्ताव रखा गया था। लेकिन, अब उन्होंने कोर्ट में साफ कर दिया है कि यह पूरी जमीन श्रीकृष्ण जन्मभूमि की ही है, इसलिए अब मस्जिद के बदले कोई भी वैकल्पिक भूमि नहीं दी जाएगी।

मामले के एक अन्य हिंदू पक्षकार दिनेश फलाहारी ने मुस्लिम पक्ष की गैरहाजिरी पर सवाल खड़े किए हैं। फलाहारी का दावा है कि मुस्लिम पक्ष के पास इस विवादित स्थल से जुड़े कोई भी ठोस दस्तावेज मौजूद नहीं हैं। उनका कहना है कि यही मुख्य कारण है कि वे बार-बार कोर्ट की कार्यवाही और समझौता वार्ता से बच रहे हैं। हालांकि, दिनेश फलाहारी ने यह भी बताया कि उन्होंने मुस्लिम पक्ष को मेवात में जमीन देने और नई मस्जिद के निर्माण का पूरा खर्च उठाने का प्रस्ताव दिया था। अब सुलह की गुंजाइश खत्म होने के बाद, सभी की निगाहें आगामी 21 से 23 अगस्त तक सुप्रीम कोर्ट में होने वाली महत्वपूर्ण सुनवाई पर टिकी हैं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L.T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

नितिन नवीन की नई टीम: नई ऊर्जा और नया संतुलन

-ललित गर्ग

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा के साथ यह संकेत दे दिया है कि भाजपा अब संगठन को केवल पदों के पुनर्विन्यास के रूप में नहीं, बल्कि आने वाले राजनीतिक दौर की आवश्यकताओं के अनुरूप नए सिरे से गढ़ने की दिशा में आगे बढ़ रही है। 17 अगस्त 2026 को घोषित नई टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महासचिव और 16 राष्ट्रीय सचिवों सहित संगठन के विभिन्न स्तरों पर व्यापक परिवर्तन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नई टीम को संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी जुड़ाव का मिश्रण बताया है। इस टीम को समझने के लिए इसे केवल ह्यकौन आया और कौन गयाह्व के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे भाजपा की दीर्घकालीन संगठनात्मक रणनीति, सामाजिक समीकरणों की समझ और आने वाले चुनावों की राजनीतिक चुनौतियों को पढ़ना अधिक महत्वपूर्ण है। नितिन नवीन की टीम का सबसे बड़ा संदेश है-अनुभव को हटाकर युवा ऊर्जा नहीं लाई गई है, बल्कि अनुभव के साथ नई ऊर्जा को जोड़ा गया है। यही संतुलन किसी बड़े राजनीतिक संगठन को गतिशील बनाता है।

राम माधव की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में वापसी इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। संगठन, वैचारिक संवाद और रणनीतिक राजनीति की उनकी समझ भाजपा के लिए उपयोगी हो सकती है। वसुंधरा राजे सिंधिया, डी. पुरंदेश्वरी, बैजयंत पांडा, तीरथ सिंह रावत और अन्य वरिष्ठ नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर यह स्पष्ट किया गया है कि नितिन नवीन ने वरिष्ठता और अनुभव को किनारे नहीं किया है। यह उस संगठनात्मक सोच का प्रमाण है जिसमें पुराने अनुभव को नई परिस्थितियों के अनुरूप इस्तेमाल करने की कोशिश दिखाई देती है। दूसरी ओर स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी देना भी केवल एक व्यक्ति की वापसी नहीं है। स्मृति ईरानी का राजनीतिक व्यक्तित्व आक्रामक संवाद, महिला मतदाताओं से जुड़ाव और राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी राजनीतिक संप्रेषण से जुड़ा रहा है। उनकी वापसी भाजपा के लिए राजनीतिक संदेश और संगठनात्मक उपयोगिता-दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। उनके साथ विनोद तावड़े, सुनील बंसल जैसे संगठनात्मक अनुभव रखने वाले नेताओं को महासचिव की जिम्मेदारी मिलना संगठन और चुनावी प्रबंधन के बीच बेहतर तालमेल की ओर संकेत करता है।

पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया जाना भी उल्लेखनीय है। यह जिम्मेदारी बताती है कि संगठन में राजनीतिक अनुभव के साथ प्रशासनिक, आर्थिक और पेशेवर दक्षता को भी महत्व दिया जा रहा है। बी. एल. संतोष का राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बने रहना संगठन की निरंतरता को सुनिश्चित करता है। अर्थात नितिन नवीन ने पूरी तरह से ह्यपुराना हटाओ, नया लाओह्व की नीति नहीं अपनाई, बल्कि जहां निरंतरता आवश्यक थी वहां उसे बनाए रखते हुए परिवर्तन के लिए पर्याप्त जगह बनाई है। नई टीम का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व है। भाजपा के लिए अब राजनीति केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, समाज के अलग-अलग वर्गों में संगठन की स्वीकार्यता और पहुंच बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। नई टीम में महिलाओं, विभिन्न सामाजिक समुदायों, उत्तर भारत से लेकर पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत तक के प्रतिनिधित्व को स्थान दिया गया है। रिपोर्टों के अनुसार टीम में महिलाओं और अल्पसंख्यक समुदायों के प्रतिनिधियों को भी उल्लेखनीय जगह मिली है।

यहां एक और महत्वपूर्ण संकेत दिखाई देता है-भाजपा अब केवल अपने परंपरागत समर्थक वर्ग से संवाद करने के बजाय नए मतदाता समूहों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। युवा, प्रथम बार मतदान करने वाली पीढ़ी, शहरी पेशेवर, तकनीक से जुड़े वर्ग और महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाएं आज चुनावी परिणामों को प्रभावित करती हैं। इसलिए संगठन में ऐसे चेहरों की आवश्यकता है जो केवल राजनीतिक भाषण न दें, बल्कि बदलते समाज की भाषा समझें। भाजपा की नई टीम में इस दिशा का प्रयास स्पष्ट दिखाई देता है। विशेष रूप से युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के स्तर पर किए गए बदलाव इस बात का संकेत हैं कि संगठन भविष्य के मतदाता को आज से ही संबोधित करना चाहता है। जेन-जी को केवल सोशल मीडिया की पीढ़ी मानना भूल होगी। यह पीढ़ी रोजगार, तकनीक, उद्यमिता, पारदर्शिता, राष्ट्रवाद, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अवसरों को लेकर अलग तरह की अपेक्षाएं रखती है। भाजपा यदि इस पीढ़ी से वास्तविक संवाद स्थापित कर पाती है तो उसका लाभ केवल आगामी चुनाव में नहीं, बल्कि 2030 और 2040 के दशक की राजनीति में भी मिल सकता है। नई टीम का सबसे बड़ा राजनीतिक परीक्षण हालांकि उत्तर प्रदेश और अन्य चुनावी राज्यों में होगा। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में संगठन की मजबूती का सीधा असर राष्ट्रीय राजनीति पर पड़ता है। आगामी चुनावों की दृष्टि से भाजपा के सामने केवल सत्ता विरोधी भावनाओं का मुकाबला करने की चुनौती नहीं है, बल्कि विपक्ष के बदलते गठजोड़, जातीय समीकरण, युवाओं की आकांक्षाएं और स्थानीय मुद्दों को भी साधना है। इसलिए राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना चुनावी दृष्टि से स्वाभाविक रणनीति है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि नई टीम का उद्देश्य केवल 2026-27 के चुनाव नहीं हो सकते। भाजपा की दृष्टि निश्चित रूप से 2029 के लोकसभा चुनाव और उससे आगे तक जाती है। विकसित भारत 2047 का लक्ष्य तभी राजनीतिक और सामाजिक आधार प्राप्त कर सकता है जब पार्टी संगठन निरंतर नई पीढ़ी को अपने साथ जोड़ता रहे। इसलिए नितिन नवीन की टीम को एक प्रकार से 2029 की तैयारी और 2047 की राजनीतिक-संगठनात्मक नींव के रूप में भी देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के स्तर पर भी आने वाले समय में परिवर्तन या विस्तार की अटकलें स्वाभाविक हैं, विशेषकर जब सरकार को आगामी राज्यों के राजनीतिक समीकरणों और प्रशासनिक प्राथमिकताओं को साथ लेकर चलना है। लेकिन मंत्रिमंडल विस्तार के संबंध में अभी किसी विशेष व्यक्ति की नियुक्ति को निश्चित मानना उचित नहीं होगा। अनुराग ठाकुर जैसे अनुभवी नेताओं की संभावित भविष्य की चर्चा राजनीतिक हलकों में हो सकती है, पर अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व पर निर्भर करेगा। नरेन्द्र मोदी की राजनीति में संगठन और सरकार के बीच नई जिम्मेदारियों के माध्यम से ऊर्जा पैदा करने की परंपरा रही है, इसलिए भविष्य में कोई महत्वपूर्ण बदलाव हो तो उसे आश्चर्य के बजाय व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जाना चाहिए। वास्तव में नितिन नवीन की नई टीम का सबसे बड़ा संदेश रीसेट नहीं, रीकैलिब्रेशन है-अर्थात संगठन को पूरी तरह बदलना नहीं, बल्कि बदलते राजनीतिक वातावरण के अनुरूप उसकी दिशा और गति को पुनर्संतुलित करना। नितिन नवीन की टीम में अनुभव, युवाओं की ऊर्जा, महिलाओं की बढ़ती भूमिका, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, सामाजिक विविधता और पेशेवर दक्षता-इन सभी को एक मंच पर लाने का प्रयास दिखाई देता है। नई टीम में 65 पदाधिकारियों में बड़ी संख्या में नए चेहरों को जिम्मेदारी मिलने की बात भी सामने आई है, जो संगठन में पीढ़ीगत बदलाव की गति को दर्शाती है। अब असली चुनौती पद प्राप्त करने वालों की नहीं, परिणाम देने वालों की होगी। संगठन कितना जमीनी बनेगा, कार्यकर्ताओं और नेतृत्व के बीच संवाद कितना मजबूत होगा, सोशल मीडिया के शोर के बाहर जनता की वास्तविक समस्याओं को कितना समझा जाएगा और युवाओं-महिलाओं सहित नए सामाजिक वर्गों का विश्वास कितना अर्जित किया जाएगा-इन्हीं कसौटियों पर नितिन नवीन की नई टीम का मूल्यांकन होगा। कुल मिलाकर यह टीम भाजपा की उस राजनीति की तस्वीर प्रस्तुत करती है जिसमें अनुभव को विरासत, युवा ऊर्जा को भविष्य और सामाजिक विविधता को विस्तार का माध्यम बनाया गया है। यदि नितिन नवीन इस टीम की क्षमताओं को एक साझा संगठनात्मक लक्ष्य में बदल पाए, तो यह परिवर्तन केवल भाजपा के पदाधिकारियों की सूची में बदलाव नहीं रहेगा, बल्कि पार्टी की कार्यशैली, जनसंपर्क और चुनावी रणनीति में दिखाई देने वाला परिवर्तन बन सकता है। आने वाले चुनाव इस प्रयोग की पहली परीक्षा होंगे और 2029 उसका बड़ा मूल्यांकन। फिलहाल इतना कहा जा सकता है कि भाजपा ने अपने संगठन को नई दिशा देने का प्रयास किया है और अब उस दिशा को जनविश्वास में बदलने की जिम्मेदारी नितिन नवीन तथा उनकी नई टीम के कंधों पर है।

भाजपा का सांगठनिक पुनर्गठन का गहरा संदेश: क्या आगामी चुनावों की अंतिम तैयारी है ?

अशोक भाटिया

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन द्वारा 17 अगस्त 2026 को घोषित की गई 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची केवल एक नियमित प्रशासनिक फेरबदल नहीं है, बल्कि यह देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी द्वारा भविष्य के चुनावी समर के लिए बिछाई गई एक रणनीतिक बिसात है। जनवरी 2026 में 45 वर्ष की आयु में पार्टी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्षों में से एक के रूप में कमान संभालने वाले नितिन नबीन ने सात महीनों के गहन मंथन के बाद अपनी इस नई कोर टीम को सार्वजनिक किया है। यह नई सूची स्पष्ट रूप से संकेत देती है कि पार्टी संगठन का यह महा-रीसेट आगामी राज्य विधानसभा चुनावों (विशेषकर 2027 की शुरूआत में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव) और लंबी अवधि में 2029 के लोकसभा चुनाव के रोडमैप को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस व्यापक सांगठनिक पुनर्गठन के केंद्र में अनुभव, युवा ऊर्जा, क्षेत्रीय संतुलन और सामाजिक प्रतिनिधित्व यानी सोशल इंजीनियरिंग के बीच एक बारीक संतुलन बनाने का प्रयास साफ दिखाई देता है।

नितिन नबीन की इस नई टीम का सबसे पहला और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें एक तरफ जहां युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने की कोशिश की गई है, वहीं दूसरी तरफ सांगठनिक अनुभव की निरंतरता को भी अक्षुण्ण रखा गया है। भाजपा की संगठनात्मक परंपरा में यह देखा गया है कि जब भी कोई नया अध्यक्ष आता है, वह अपनी टीम में कुछ मौलिक बदलाव जरूर करता है, लेकिन इस सूची में यह बदलाव बेहद सधे हुए तरीके से किया गया है। इस निरंतरता का सबसे बड़ा प्रतीक बी. एल. संतोष को राष्ट्रीय संगठन महामंत्री के पद पर बरकरार रखना है, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और पार्टी के बीच समन्वय का मुख्य सेतु होते हैं। संतोष का इस पद पर बने रहना यह दशार्ता है कि पार्टी वैचारिक और सांगठनिक स्तर पर किसी बड़े झटके के बजाय एक सहज संक्रमण चाहती है। उनके साथ ही शिवप्रकाश और सौदान सिंह को राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री के रूप में बनाए रखना भी इसी निरंतरता की रणनीति का हिस्सा है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय महासचिवों की सूची में विनोद तावड़े और सुनील बंसल जैसे कद्दावर संगठनात्मक चेहरों को बनाए रखा गया है। सुनील बंसल, जिन्होंने उत्तर प्रदेश में भाजपा के सांगठनिक ढांचे को खड़ा करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी, और विनोद तावड़े, जो लगातार विभिन्न राज्यों में चुनावी प्रबंधन देख रहे हैं, दोनों का बरकरार रहना यह साबित करता है कि भाजपा अपने चुनावी और सांगठनिक 'वार रूम' के मुख्य रणनीतिकारों को बदलने का जोखिम नहीं उठाना चाहती।

इस नई सूची में सबसे अधिक चर्चा पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और वरिष्ठ नेता राम माधव की सांगठनिक मुख्यधारा में वापसी को लेकर हो रही है, जो भाजपा की उस रणनीति को रेखांकित करता है जिसके तहत उन नेताओं को संगठन में बड़ी भूमिका दी जाती है जो राष्ट्रीय स्तर पर आक्रामक वैचारिक और राजनीतिक विमर्श तय करने की क्षमता रखते हैं। स्मृति ईरानी को पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है और उन्हें सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश का प्रभार सौंपा गया है, जहां 2027 की शुरूआत में बेहद महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। पिछले कुछ आन्तरिक आकलनों के बाद पार्टी उत्तर प्रदेश में अपनी पकड़ को ढीला नहीं होने देना चाहती और स्मृति ईरानी की आक्रामक छवि को देखते हुए उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी दी गई है ताकि वे संगठन में नई ऊर्जा का संचार कर सकें। दूसरी ओर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि से आने वाले राम माधव को इस बार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है, जिन्हें वैचारिक और रणनीतिक मामलों का विशेषज्ञ माना

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

जाता है, विशेषकर जम्मू-कश्मीर और उत्तर-पूर्व के राज्यों में उनके काम का ट्रैक रिकॉर्ड बेहद मजबूत रहा है। उनकी वापसी यह संकेत देती है कि भाजपा अपने पुराने और परखे हुए रणनीतिकारों को फिर से केंद्रीय भूमिका में ला रही है ताकि वैचारिक मोर्चे और गठबंधन की राजनीति को अधिक मजबूती दी जा सके। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को पार्टी का नया राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जो पार्टी के दीर्घकालिक वित्तीय नियोजन और सांगठनिक स्थिरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। नितिन नबीन की 65 सदस्यीय इस नई टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महासचिव और 16 राष्ट्रीय सचिव शामिल हैं, जिनमें भौगोलिक और प्रांतीय वितरण का विशेष ध्यान रखा गया है। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर बरकरार रखा गया है, जबकि राजस्थान से ही आने वाले सतीश पूनिया को राष्ट्रीय महासचिव और राजेश मंगल को राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष बनाया गया है, जो यह दशार्ता है कि पार्टी आंतरिक गुटबाजी को समाप्त कर सभी धड़ों को एक साथ लेकर चलने का संदेश दे रही है। बिहार से सिद्धार्थ शंभू को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है, जबकि ऋतुराज सिन्हा को विभिन्न पार्टी इकाइयों का सह-समन्वयक नियुक्त किया गया है, क्योंकि बिहार में हाल के वर्षों में बदलते राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए सांगठनिक पकड़ मजबूत करना नितिन नबीन के लिए एक व्यक्तिगत और राजनीतिक प्राथमिकता भी है, जो स्वयं बिहार से पांच बार के विधायक हैं। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल से डॉ. मधुचंद्र कार को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और मनोज तिग्गा को राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। पंजाब से पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है, जो यह स्पष्ट करता है कि भाजपा पंजाब में सिख और गैर-सिख दोनों समुदायों के बीच एक गंभीर स्वीकार्यता बनाने का प्रयास कर रही है, जबकि उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत को भी उपाध्यक्ष मंडल में शामिल कर पहाड़ी राज्यों को प्रतिनिधित्व दिया गया है।

भाजपा की चुनावी सफलता का एक बड़ा आधार उसका सामाजिक समीकरण यानी सोशल इंजीनियरिंग और उसके विभिन्न मोर्चे रहे हैं, जो समाज के अलग-अलग वर्गों तक सीधे पैठ बनाते हैं, और इस बार नितिन नबीन ने सभी प्रमुख सातों मोर्चों के अध्यक्षों की घोषणा करते हुए सामाजिक प्रतिनिधित्व के नियमों का कड़ाई से पालन किया है। युवा मोर्चा की कमान डॉ. हेमंत जोशी को सौंपी गई है, जबकि महिला मोर्चा की अध्यक्षता श्रीमती रूप कुमारी चौधरी को दी गई है जो महिला मतदाताओं को पार्टी से जोड़े रखने का मुख्य दायित्व संभालेंगी। पिछड़े वर्ग के बड़े सामाजिक आधार को पार्टी के साथ बनाए रखने के लिए ओबीसी मोर्चा का अध्यक्ष श्री अमरपाल मौर्य को बनाया गया है, और ग्रामीण तथा कृषि अर्थव्यवस्था से जुड़े मतदाताओं के बीच संवाद स्थापित करने के लिए किसान मोर्चा की जिम्मेदारी श्री बंसीलाल गुर्जर को दी गई है। दलित और आदिवासी समुदायों के बीच सांगठनिक विस्तार को गति देने के लिए अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष के रूप में श्री शिवेश कुमार राम और अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष के रूप में डॉ. मन्नालाल रावत की नियुक्ति की गई है, जबकि अल्पसंख्यक समुदाय के बीच संवाद कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए अल्पसंख्यक मोर्चा का अध्यक्ष श्री कुंवर बासित अली को बनाया गया है। खासकर ओबीसी और एससी चेहरों को आगे करके पार्टी ने विपक्षी दलों के सामाजिक न्याय के नैरेटिव का मुकाबला करने के लिए अपनी सांगठनिक ढाल तैयार की है। इसके अलावा, पूरी कार्यकारिणी में करीब 12 महिलाओं को सीधे तौर पर पदाधिकारी सूची में स्थान दिया गया है, जिनमें रेखा वर्मा, डॉ. भारती प्रविण पवार और वषाबेन नरेंद्रभाई दोषी जैसी नेत्रियों को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैसी अहम कुर्सियां सौंपी गई हैं, जो इस बात का संकेत है कि पार्टी सांगठनिक स्तर पर भी महिला प्रतिनिधित्व को गहरा कर रही है। आज के दौर में कोई भी चुनाव केवल जमीन पर नहीं, बल्कि डिजिटल और सोशल मीडिया के स्क्रीन पर भी लड़ा और जीता जाता है, और इस हकीकत को समझते हुए भाजपा ने अपने संचार तंत्र में भी दो महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। छत्तीसगढ़ के दीपक म्हस्के को नया राष्ट्रीय सोशल मीडिया संयोजक बनाया गया है, जो यह संकेत देता है कि पार्टी अपने डिजिटल नैरेटिव को एक नया रूप देना चाहती है जो नए दौर के युवाओं की भाषा के अनुकूल हो। वहीं, मुख्यधारा के मीडिया और समाचार चैनलों के साथ बेहतर समन्वय के लिए अनुभवी सांसद अनिल बलूनी को मीडिया संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है, जिनका पुराना अनुभव मीडिया प्रबंधन को और अधिक पेशेवर बनाएगा। इसके साथ ही, एक बेहद दिलचस्प नियुक्ति दिल्ली से डॉ. संदीप पाठक की राष्ट्रीय सचिव के रूप में हुई है, जो पूर्व में आम आदमी पार्टी की सांगठनिक जड़ों से जुड़े रहे हैं, और उनका भाजपा के राष्ट्रीय ढांचे में सचिव बनना यह दिखाता है कि पार्टी दूसरी पार्टियों के सांगठनिक रणनीतिकारों की क्षमताओं का उपयोग अपने विस्तार के लिए करने से हिचक नहीं रही है।

संक्षेप में कहा जाए तो, भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन की यह नई राष्ट्रीय टीम स्पष्ट रूप से मिशन मोड में काम करने के लिए बनाई गई है और इस सूची के आने के बाद यह कयास पूरी तरह समाप्त हो जाते हैं कि पार्टी केवल तात्कालिक सांगठनिक आवश्यकताओं से निपट रही है। इसके विपरीत, यह साफ है कि भाजपा ने अपनी सांगठनिक संरचना को इस तरह से कसा है कि वह अगले दो से तीन साल तक होने वाले सभी विधानसभा चुनावों और अंततः 2029 की बड़ी लड़ाई के लिए एक अभेद्य किला तैयार कर सके। स्मृति ईरानी की उत्तर प्रदेश में तैनाती, राम माधव की राष्ट्रीय पटल पर वापसी, सातों मोर्चों का नया नेतृत्व, और सोशल मीडिया विंग का पुनर्गठन—ये सभी कड़ियाँ मिलकर एक बड़े राजनीतिक कैनवास का निर्माण करती हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि यह नई सांगठनिक मशीनरी जमीन पर उतरकर विपक्षी गुटों के नैरेटिव को कितनी कुशलता से काउंटर करती है, लेकिन एक बात तय है कि भाजपा ने अपनी तरफ से चुनावी बिसात बिछा दी है और अपने सेनापतियों को उनकी युद्धभूमि सौंप दी है।

प्रधानमंत्री के दिमागी नक्सली वाले बयान पर क्यों भड़का विपक्ष

-अजय कुमार

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिया गया भाषण देश की राजनीति में एक नया मोड़ ले आया है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार ने हथियार उठाने वाले नक्सलियों को लगभग समाप्त कर दिया है, लेकिन देश के भीतर अब एक नया खतरा पैदा हो गया है, जिसे उन्होंने 'दिमागी नक्सली' कहा। उनके अनुसार, ये लोग बंदूकों से नहीं, बल्कि अपनी विचारधारा और विमर्श से देश को नुकसान पहुंचाने और युवाओं को गुमराह करने की ताक में रहते हैं। इस बयान के आते ही भारतीय राजनीति में एक भूचाल-सा आ गया। विपक्षी दलों ने इस शब्दावली को एक बड़े हथियार के रूप में लपक लिया और सरकार के खिलाफ एक अनोखा विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस विरोध की शुरूआत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के एक बड़े बयान से हुई, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से खुद को 'दिमागी नक्सली' घोषित कर दिया। इसके बाद देखते ही देखते आम आदमी पार्टी और कई अन्य क्षेत्रीय दलों के नेताओं ने भी खुद को इस श्रेणी में खड़ा करना शुरू कर दिया। नेताओं द्वारा खुद को दिमागी नक्सली बताने की यह होड़ सिर्फ एक तात्कालिक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरी राजनीतिक बिसात और रणनीतियां छिपी हुई हैं, जो आने वाले समय में देश की राजनीति की दिशा और दशा तय करेंगी।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे पहला और गहरा असर राजनीतिक विमर्श के स्तर पर देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'दिमागी नक्सली' शब्द का इस्तेमाल उन लोगों को घेरने के लिए किया था, जो सरकार की नीतियों का विरोध करते हैं और जिनके बारे में सत्ता पक्ष का मानना है कि वे देश के विकास में बाधा डालते हैं। लेकिन विपक्ष ने इस आक्रामक हमले को एक रक्षात्मक कवच में बदल दिया। पी. चिदंबरम और आम आदमी पार्टी के नेताओं द्वारा खुद को दिमागी नक्सली कहना वास्तव में सरकार की परिभाषा का मजाक उड़ाना और उसकी धार को कुंद करना है। विपक्ष का यह कदम यह संदेश देने की कोशिश है कि अगर सरकार पर सवाल उठाना, नीतियों की आलोचना करना और युवाओं को जागरूक करना नक्सलवाद है, तो वे गर्व से इस ठप्पे को स्वीकार करते हैं। इससे देश की राजनीति में एक नया ध्रुवीकरण पैदा हो गया है, जहां एक तरफ सरकार देशभक्ति और राष्ट्रवाद के नाम पर असहमति को दबाने का प्रयास करती दिख रही है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष इस असहमति को लोकतंत्र की आत्मा बताकर खुद को पीड़ित और क्रांतिकारी के रूप में पेश कर रहा है। इस राजनीतिक उठापटक का दूसरा बड़ा पहलू युवाओं और देश के बौद्धिक वर्ग पर पड़ने वाला प्रभाव है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में विशेष रूप से युवाओं का जिक्र किया था कि उन्हें ये दिमागी नक्सली भटका रहे हैं। भारत एक युवा-प्रधान देश है और युवाओं की राय चुनाव के नतीजों को पलटने की ताकत रखती है। विपक्ष द्वारा खुद को दिमागी नक्सली बताना युवाओं के एक बड़े वर्ग को आकर्षित कर सकता है, खासकर उन छात्रों और बुद्धिजीवियों को, जो विश्वविद्यालयों में सरकार की शिक्षा नीतियों, बेरोजगारी और अभिव्यक्ति की आजादी पर बहस करते हैं। जब बड़े नेता खुद पर यह ठप्पा लगाते हैं, तो वे युवाओं को यह अहसास कराते हैं कि स्थापित व्यवस्था के खिलाफ सोचना या सवाल पूछना कोई अपराध नहीं है। इसके विपरीत, सत्ता पक्ष इस विमर्श को स्थापित करने में जुटेगा कि विपक्ष देश के विकास को पटरी से उतारने वाली ताकतों के साथ खड़ा है। यह खींचतान देश के युवाओं के बीच वैचारिक विभाजन को और गहरा करेगी, जिससे वे रचनात्मक विमर्श के बजाय राजनीतिक खेमेबाजी का हिस्सा बनने लगेंगे।

तीसरा बड़ा असर देश की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की राजनीति पर पड़ेगा। अब तक नक्सलवाद को एक भौगोलिक और हथियारबंद समस्या के रूप में देखा जाता था, जिसे पुलिस और सेना के जरिए हल किया जा रहा था। लेकिन अब जब यह लड़ाई 'दिमाग' और 'विचारधारा' के स्तर पर आ गई है, तो सरकार की जांच एजेंसियों की भूमिका पर भी सवाल उठेंगे। विपक्ष का डर यह है कि 'दिमागी नक्सली' की आड़ में सरकार अपने आलोचकों, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकताओं और विपक्षी नेताओं को निशाना बना सकती है। जब विपक्ष के नेता खुद आगे बढ़कर यह टैग अपना रहे हैं, तो वे एक तरह से सरकार को यह चुनौती दे रहे हैं कि यदि वे नक्सली हैं, तो सरकार उन पर कार्रवाई करके दिखाए। यह स्थिति देश की न्यायपालिका और सुरक्षा एजेंसियों के लिए भी एक परीक्षा की घड़ी होगी, क्योंकि उन्हें विचार की स्वतंत्रता और देश के खिलाफ साजिश के बीच एक बहुत ही महीन रेखा खींचनी होगी। राजनीति के इस खेल में अगर कानूनी कार्रवाइयां बढ़ती हैं, तो इससे राजनीतिक प्रतिशोध की भावना और बढ़ेगी, जिससे लोकतंत्र की बुनियाद कमजोर हो सकती है। चौथा महत्वपूर्ण प्रभाव आम चुनाव और क्षेत्रीय राजनीति के समीकरणों पर दिखाई देगा। इस नए विवाद ने विपक्ष को एक ऐसा साझा मंच दे दिया है, जहां विचारधाराओं के मतभेद भूलकर कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और अन्य दल एक सुर में बोल रहे हैं। 'दिमागी नक्सली' शब्द अब एक राजनीतिक पहचान बन रहा है, जिसका इस्तेमाल विपक्ष सरकार-विरोधी वोटों को एकजुट करने के लिए करेगा। आम आदमी पार्टी जैसी पार्टियां, जो हमेशा से खुद को आम आदमी की आवाज और व्यवस्था-विरोधी बताती रही हैं, इस विमर्श का उपयोग अपने कैडर को और अधिक आक्रामक बनाने के लिए करेंगी। वहीं दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी इस पूरे मामले को राष्ट्रवाद बनाम देश-विरोधी ताकतों के पुराने और परखे हुए नैरेटिव में ढालने की कोशिश करेगी। भाजपा अपने मतदाताओं को यह समझाने का प्रयास करेगी कि विपक्ष के नेता खुद स्वीकार कर रहे हैं कि उनकी मानसिकता नक्सली है, जो देश की अखंडता के लिए खतरा है। यह चुनावी जंग को और अधिक तीखा और व्यक्तिगत बना देगा, जहां नीतियों पर बहस कम और एक-दूसरे के चरित्र और राष्ट्रभक्ति पर सवाल ज्यादा उठाए जाएंगे।

अंततः, इस पूरे विवाद का देश की लोकतांत्रिक संस्कृति पर बहुत गहरा और दूरगामी असर पड़ने वाला है। जब देश की राजनीति में शब्दों की मयार्दा टूटने लगती है और सर्वोच्च पदों से दिए गए बयानों को मजाक या ढाल बना लिया जाता है, तो जनता का राजनीतिक व्यवस्था से भरोसा डगमगाने लगता है। प्रधानमंत्री और विपक्ष के बीच चल रही यह 'शब्दों की जंग' यह दिखाती है कि भारतीय राजनीति अब मुद्दों से हटकर पूरी तरह से नैरेटिव और धारणाओं के खेल पर टिकी हुई है। खुद को दिमागी नक्सली बताना विपक्ष के लिए एक चतुर राजनीतिक दांव हो सकता है, लेकिन यह देश के सामने यह यक्ष प्रश्न भी खड़ा करता है कि क्या हमारी राजनीति इतनी सतही हो चुकी है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील शब्दों का इस्तेमाल केवल चुनावी लाभ के लिए किया जाए। आने वाले दिनों में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि जनता इस वैचारिक द्वंद्व को किस रूप में स्वीकार करती है। क्या वह सरकार के इस तर्क को मानेगी कि विपक्ष देश को कमजोर कर रहा है, या वह विपक्ष के इस दावे पर भरोसा करेगी कि सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए नए-नए जुमले गढ़ रही है। इस राजनीतिक लड़ाई का जो भी नतीजा हो, लेकिन एक बात साफ है कि 15 अगस्त के इस भाषण ने भारतीय राजनीति में एक ऐसा विमर्श छेड़ दिया है, जो आने वाले कई सालों तक गूंजता रहेगा।

झारखंड सरकार ने सीबीआई जांच के अलावा छात्रों की सभी मांगें मानी

झारखंड में छात्रों के चौतरफा और ऐतिहासिक आंदोलन के आगे आखिरकार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार झुक गई है और उसने राज्य की सबसे विवादित झारखंड कर्मचारी चयन आयोग-संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा को रद्द करने के साथ ही साल 2014 से अब तक निजी एजेंसी टीडीपीएल द्वारा ली गई सभी भर्ती परीक्षाओं और नियुक्तियों को पूरी तरह खारिज कर दिया है।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कैबिनेट की एक मैराथन बैठक बुलाई और इस बड़े फैसले पर मुहर लगा दी। छात्रों की इस अभूतपूर्व जीत के बाद राज्य भर के परीक्षा केंद्रों और प्रदर्शन स्थलों पर जश्न का माहौल है, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में एक बड़ा पेंच अभी भी फंसा हुआ है। छात्र संगठन इस पूरे घोटाले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई जांच की मांग पर अड़े हुए हैं, जिसे राज्य सरकार ने फिलहाल सिरे से खारिज कर दिया है। मुख्यमंत्री सोरेन ने इस पूरे मामले की कमान राज्य की अपराध अनुसंधान विभाग और विशेष जांच दल को सौंपते हुए वर्ष 2014 से हुई गड़बड़ियों की व्यापक जांच का आदेश दिया है, लेकिन वह केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार से सीबीआई जांच की सिफारिश करने से साफ बच रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों और जानकारों का मानना है कि राज्य सरकार को डर है कि अगर यह जांच सीबीआई के हाथों में चली गई, तो जांच की आंच सीधे सरकार के शीर्ष अधिकारियों और सत्ता के गलियारों तक पहुंच जाएगी, जिससे उनकी राजनीतिक गर्दन पूरी तरह से दिल्ली में बैठी केंद्र सरकार के हाथों में आ जाएगी। इस पूरे विवाद की जड़ में वह परीक्षाएं हैं, जिन्हें लेकर पिछले कई महीनों से राज्य का युवा सड़कों पर उतरा हुआ था। छात्रों के भारी दबाव के बाद झारखंड सरकार ने जिन प्रमुख परीक्षाओं को रद्द किया है, उनमें सबसे बड़ी जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा शामिल है। इसके अलावा, एक विवादित और दागी आउटसोर्सिंग एजेंसी 'टीआरएस डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड' (टीडीपीएल) के जरिए वर्ष 2014 से लेकर अब तक जितनी भी परीक्षाएं आयोजित की गई थीं, उनके परिणाम जारी हुए थे या जिन अभ्यर्थियों का चयन हुआ था, उन सभी प्रक्रियाओं को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। इतना ही नहीं, सरकार ने इससे पहले ही छात्रों के भारी विरोध को देखते हुए 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की प्रारंभिक परीक्षा और वर्ष 2023 और 2025 में आयोजित जेपीएससी की बैकलॉग परीक्षाओं को भी रद्द करने का

-संजय सक्सेना

फैसला लिया था। इन परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर प्रश्नपत्र लीक होने, डिजिटल धांधली करने और पैसों के लेन-देन के गंभीर आरोप लगे थे, जिसके बाद तीन जेपीएससी सदस्यों को अपने पदों से इस्तीफा तक देना पड़ा था। सरकार ने अब परीक्षाओं के आयोजन में सुधार लाने और पूरी व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अमिताभ कौशल के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय परीक्षा सुधार समिति का गठन भी कर दिया है।

पिछले 24 दिनों का घटनाक्रम झारखंड के इतिहास में युवाओं के सबसे बड़े और संगठित विद्रोह की कहानी बयां करता है। आंदोलन की शुरूआत जुलाई के आखिरी हफ्तों में हुई थी, जब जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा के आयोजन और उसके नतीजों में भारी विसंगतियां और धांधली के सबूत सोशल मीडिया पर तैरने लगे थे। इसके बाद छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने रांची की सड़कों पर उतरकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन शुरू कर दिया। देखते ही देखते इस आंदोलन ने एक उग्र रूप ले लिया और छात्र नेताओं ने जयपाल सिंह स्टेडियम और अन्य प्रमुख स्थलों पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। पिछले दो हफ्तों से छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो और राहुल क्रांति समेत कई अन्य अभ्यर्थी आमरण अनशन पर बैठ गए थे। भूख हड़ताल की वजह से कई छात्रों की तबीयत इस कदर बिगड़ गई कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इसके बावजूद छात्रों का हौसला नहीं डगमगाया और उन्होंने सरकार से साफ कह दिया कि जब तक परीक्षाएं रद्द नहीं होंगी और पारदर्शी जांच की गारंटी नहीं मिलेगी, वे पीछे नहीं हटेंगे। छात्रों ने 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने और राज्य विधानसभा तक एक विशाल पैदल मार्च निकालने का भी एलान कर दिया था, जिसने सोरेन सरकार के भीतर एक राजनीतिक घबराहट पैदा कर दी थी।

आंदोलन के बढ़ते दबाव और छात्रों की बिगड़ती सेहत को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अपने मंत्रियों के साथ एक आपातकालीन बैठक करनी पड़ी। इस बैठक में राज्य के खुफिया इनपुट और पुलिस विभाग की रिपोर्ट को सामने रखा गया, जिसमें यह साफ हो गया था कि छात्रों का यह गुस्सा राज्य सरकार के लिए आगामी चुनावों में भारी नुकसानदेह साबित हो सकता है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने खुद सामने आकर घोषणा की कि सीआईडी और एसआईटी की जांच में कुछ बेहद चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं, जिन्हें इस मोड़ पर उजागर नहीं किया जा सकता। उन्होंने माना कि परीक्षाओं का संचालन करने वाली बाहरी एजेंसियां एक बड़े रैकेट का हिस्सा हैं, जो झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही थीं। सरकार ने तुरंत टीडीपीएल को ब्लैकलिस्ट करते हुए उसके द्वारा कराए गए पिछले दस साल के सभी कामों को शून्य घोषित कर दिया। मंत्रियों की मौजूदगी में अस्पताल में भर्ती अनशनकारी छात्रों को जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म कराया गया, जिसे छात्र संगठनों ने अपनी आधी और ऐतिहासिक जीत माना।

हालांकि, परीक्षाओं के रद्द होने से आंदोलन पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, बल्कि इसने एक नया राजनीतिक और कानूनी मोड़ ले लिया है। छात्र संगठन और विपक्षी दल अब भी इस बात पर अड़े हैं कि राज्य की सीआईडी या एसआईटी इस विशाल सिंडिकेट और उसके असली सरगनाओं को कभी नहीं पकड़ पाएगी। छात्रों का तर्क है कि जब तक इस पूरे मामले की जांच देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी सीबीआई नहीं करेगी, तब तक पर्दे के पीछे बैठे असली 'मास्टरमाइंड' और सफेदपोश राजनेता कभी बेनकाब नहीं होंगे। दूसरी तरफ, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का सीबीआई जांच से इनकार करना उनकी राजनीतिक मजबूरी और केंद्रीय एजेंसियों के डर को दशार्ता है। सोरेन सरकार का मानना है कि केंद्र की भाजपा सरकार सीबीआई का इस्तेमाल विपक्षी दलों को कुचलने और राज्य सरकारों को अस्थिर करने के लिए एक राजनीतिक हथियार के रूप में करती रही है। मुख्यमंत्री खुद भूमि घोटाले से जुड़े एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद महीनों जेल में बिताकर हाल ही में जमानत पर बाहर आए हैं। ऐसे में वे भली-भांति जानते हैं कि अगर उन्होंने इस परीक्षा घोटाले की चाबी सीबीआई को सौंप दी, तो केंद्र सरकार इस जांच का दायरा बढ़ाकर उनके करीबियों और सरकार के मंत्रियों तक पहुंचा देगी, जिससे पूरी सरकार संकट में आ सकती है।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचकर सांसद कंगना रनौत ने लिया गणेश जी का आशीर्वाद

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रख्यात बॉलीवुड अभिनेत्री तथा हिमाचल प्रदेश की सांसद कंगना रनौत ने आज प्रभादेवी स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचकर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया तथा देश की समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। मंदिर न्यास की तरफ से कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने गणेश जी की मूर्ति देकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर श्री सिद्धिविनायक मंदिर न्यास के ट्रस्टी महेश मुदलियार, मुंबई भाजपा सचिव तथा नगरसेवक प्रतीक करपे भी उपस्थित रहे।

जीवन में भगत सिंह के आदर्शों को अपनायें : विजय देवांगन

पालघर(उत्तरशक्ति)। बोईसर एजुकेशन सोसायटी के श्री विद्या इंग्लिश मीडियम स्कूल में भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पश्चिम क्षेत्र संपर्क प्रमुख विजय देवांगन के हाथों ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विजय देवांगन ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जीवन से जुड़े प्रेरणादायी प्रसंगों का उल्लेख किया। उन्होंने विद्यार्थियों से भगत सिंह के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए जीवन में जात-पात से ऊपर उठकर श्रमप्रतिष्ठा, प्रेम, आदर और सामाजिक समरसता जैसे उदात्त मूल्यों को स्थान देने का आवाहन किया। उन्होंने वर्तमान 'Gen Z' और 'Gen Alpha' पीढ़ी के उल्लेखनीय कार्यों की भी सराहना करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी में देश और समाज के लिए सकारात्मक बदलाव लाने की अपार क्षमता है। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉ. नंदकुमार वर्तक, सदस्या डॉ. प्रीती वर्तक, विनोद वाजपेयी, डॉ. स्वप्निल शिंदे, उमाशंकर वशिष्ठ, संदीप नेवे, अश्विन पाटील सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बजाज फिनसर्व फ्लेक्सी कैप फंड के तीन साल पूरे, शुरूआत से 18.21% सालाना औसत रिटर्न

मुंबई/पटना। बजाज फिनसर्व म्यूचुअल फंड के प्रमुख इक्विटी फंड, बजाज फिनसर्व फ्लेक्सी कैप फंड ने आज तीन साल पूरे कर लिए। यह ऐसा इक्विटी फंड है जो बड़ी, मध्यम और छोटी–हर आकार की सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में निवेश कर सकता है। फंड निवेश के लिए अपनी विशेष मेगाट्रेंड्स रणनीति का उपयोग करता है। 14 अगस्त 2023 को शुरू हुए इस फंड के डायरेक्ट प्लान (ग्रोथ) ने 13 अगस्त 2026 तक अपनी शुरूआत से सालाना औसतन 18.21% का रिटर्न हासिल किया। इसी अवधि में, फंड के प्रदर्शन की तुलना के लिए उपयोग किए जाने वाले इरए 500 ळफक्कइंडेक्स ने सालाना औसतन 12.74% का रिटर्न दिया। इसी अवधि में, डायरेक्ट प्लान (ग्रोथ) का प्रदर्शन इरए 500 TRI इंडेक्स से 5.47 प्रतिशत अंक बेहतर रहा। वहीं, रेगुलर प्लान (ग्रोथ) ने सालाना औसतन 16.59% का रिटर्न दिया। 14 अगस्त 2023 से 13 अगस्त 2026 तक, डायरेक्ट प्लान (ग्रोथ) में किया गया निवेश 65.2% बढ़ा। इसके मुकाबले, इसी अवधि में इरए 500 TRI ने 43.3% और रेगुलर प्लान (ग्रोथ) ने 58.5% का रिटर्न दिया। अगर किसी व्यक्ति ने फंड की शुरूआत में डायरेक्ट प्लान में 10,000 लगाए होते, तो 13 अगस्त 2026 तक उनका मूल्य बढ़कर 16,513 हो गया होता। समान अवधि में यही राशि इरए 500 TRI में 14,325 और Nifty 50 TRI में 13,003 होती। फंड के प्रदर्शन की तुलना इरए 500 TRI से की जाती है, जबकि Nifty 50 ळफक्क अतिरिक्त बेंचमार्क है। रेगुलर प्लानझग्रोथ में लगाए गए 10,000 का मूल्य बढ़कर ?15,843 हो गया होता। डायरेक्ट प्लान में निवेशक सीधे म्यूचुअल फंड कंपनी के माध्यम से निवेश करता है, जबकि रेगुलर प्लान में वितरक या सलाहकार की सेवाएं शामिल होती हैं। इसी कारण दोनों प्लान के खर्च और रिटर्न अलग हो सकते हैं।

इनवेस्को म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया इनवेस्को इंडिया फार्मा एंड हेल्थकेयर फंड

मुंबई/पटना। इनवेस्को म्यूचुअल फंड ने आज इनवेस्को इंडिया फार्मा एंड हेल्थकेयर फंड लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो फार्मा, हेल्थकेयर और इससे जुड़े क्षेत्रों में निवेश करेगी। यह फंड भारत के तेजी से विकसित हो रहे हेल्थकेयर इकोसिस्टम में मौजूद अवसरों का लाभ उठाने का प्रयास करेगा। भारत में अनुकूल जनसांख्यिकी, स्वास्थ्य सेवाओं तक बढ़ती पहुंच, स्वास्थ्य बीमा की बढ़ती पहुंच, वैश्विक फार्मास्युटिकल क्षेत्र में भारत की मजबूत होती भूमिका तथा हेल्थकेयर और लाइफ साइंसेज में नवाचार आधारित अवसर इस क्षेत्र के विकास को गति दे रहे हैं। यह स्कीम फार्मास्युटिकल कंपनियों, अस्पतालों, डायग्नोस्टिक्स, कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन (सीडीएमओ), कॉन्ट्रैक्ट रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (सीआरओ), मेडिकल डिवाइसेज, हेल्थकेयर सेवाओं, बीमा तथा हेल्थकेयर से जुड़े अन्य क्षेत्रों में निवेश करेगी। भारत आज वैश्विक हेल्थकेयर इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। देश को बड़े बाजार, कुशल प्रतिभाओं, मजबूत मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं और तेजी से बढ़ते इनोवेशन नेटवर्क का लाभ मिल रहा है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर बढ़ता खर्च, बुजुर्ग आबादी में वृद्धि, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों में बढ़ोतरी, हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज का विस्तार, हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास और वैश्विक कंपनियों द्वारा भारत को आउटसोर्सिंग केंद्र के रूप में बढ़ती प्राथमिकता जैसे कारकों से हेल्थकेयर वैल्यू चेन में लंबे समय के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

देशभक्ति के रंग में रंगा एक शाम, देश के नाम कार्यक्रम

◆विराज इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित गीत संगीत व नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने बाँधी समां

पालघर (उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विराज इंटरनेशनल स्कूल, कुरगांव-बोईसर में 15 अगस्त की शाम एक शाम, देश के नाम भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने गीत, संगीत, नृत्य, कविता सहित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से देश के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम तथा वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान को बहुत बढ़िया तरीके से प्रस्तुत किया। विराज उद्योग समूह के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नीरज राजा कोचर एवं रेणु कोचर के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सवरा मुख्य अतिथि तथा पालघर की जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। दोनों अतिथियों ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी को देश के इतिहास, संस्कृति और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में विराज उद्योग समूह के हरीश आहुजा, कॉरपोरेट कमर्शियल मैनेजर हनुमंत चव्हाण, विराज इंटरनेशनल स्कूल के कार्यकारी

निदेशक जयंत हरिहर लाल, प्रधानाचार्य डॉ. देव बशिष्ठ उपाध्याय, उप-प्रधानाचार्या मासूम पवार, हेड मिस्ट्रेस संध्यारानी सुबुद्धि, डीन एक्टिविटी एवं एडमिशन सचिन देसाई, ऑपरेशन मैनेजर दक्षत पाटील, वित्त प्रमुख अद्वैत जोशी, स्टूडेंट वेलफेयर हेड नीरजा श्रीवास्तव, हेड ऑफ लैंग्वेज एंड कल्चरल विभाग प्रवीण कुमार मिश्रा सहित वरिष्ठ शिक्षाविद, अभिभावक, शिक्षक एवं विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्रा दिव्यांशी की मनमोहक घुंघरुओं की ध्वनि प्रस्तुति से हुआ। इसके बाद प्रधानाचार्य डॉ. देव बशिष्ठ उपाध्याय ने राष्ट्रभाव से ओतप्रोत काव्य-पाठ प्रस्तुत किया। अमर देशभक्ति गीत ऐ मेरे वतन के लोगों की भावपूर्ण प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया। मेरी भारत की बेटी, तेरा हिमालय आकाश छू ले और माँ तुझे सलाम जैसी प्रस्तुतियों ने दर्शकों में राष्ट्रप्रेम तथा भारतीय नारी शक्ति की भावना को और प्रबल किया। विद्यार्थियों एवं संगीत टीम की विशेष मेडली में स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष, वीरों के बलिदान और मातृभूमि के प्रति समर्पण को सुरों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण महाराष्ट्र की वारली जनजाति से जुड़े विशिष्ट जनजातीय लोक संगीतकार एवं प्रसिद्ध तारपा वादक पद्मश्री भिकल्या लाडक्या धिंडा का सम्मान रहा। पालघर जिले की पारंपरिक तारपा कला एवं संगीत को संरक्षित करने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए विराज उद्योग समूह की ओर से उन्हें एक लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की गई। अतिथियों के हाथों सम्मानित किये जाने पर धिंडा ने प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया। गीत-संगीत, नृत्य, कविता और भारतीय संस्कृति के विविध रंगों से सजी यह संध्या स्वतंत्रता दिवस समारोह को यादगार बना गई। साथ ही कार्यक्रम ने एकता में विविधता तथा राष्ट्र सर्वोपरि का संदेश भी दिया।

हजारों कांवरियों के हर हर महादेव के जयघोष से गूंजा गोरेगांव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गोरेगांव सकल हिंदू समाज की तरफ से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पवित्र श्रावण मास में भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया,जो गोरेगांव (पश्चिम) के प्रेमनगर से चलकर राम मंदिर रोड पर के पास राम मंदिर देवस्थान पर समाप्त हुआ। राम मंदिर देवस्थान पर समाजसेवक मनोज जयनाथ यादव ने अपनी संस्था स्वर्गीय जयनाथ यादव प्रतिष्ठान के माध्यम से हजारों कांवरियों को महाप्रसाद अन्नग्रहण करवाया। इस अवसर पर नगरसेवक संदीप पटेल, चेतन भट्ट, गौरव राने, राहुल उपाध्याय, कुन्फू मास्टर प्रदीप यादव, अशोक सहनी, अमरीश यादव व संस्था के कई पदाधिकारियों ने कांवरियों के स्वागत सम्मान के साथ-साथ प्रसाद वितरण किया। इस मौके पर हजारों कांवरियों ने हर हर महादेव के जयघोष के साथ देवस्थान पर जल चढ़ाएं।

संत सावता महाराज संजीवन समाधी समारोह संपन्न

अजीत सिंह पालघर (उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित दत्त मंदिर में श्री महात्मा ज्योतिबा फुले माली समाज उन्नति मंडल, बोईसर की ओर से संत सावता महाराज संजीवन समाधी समारोह का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत संत सावता महाराज की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर की गई। इसके पश्चात ह.भ.प. प्रदीप महाराज पाटील ने मधुर हरिकीर्तन प्रस्तुत किया। आमुची माळ याचि जात, शेत लावू बागाईत इस अभंग पर उन्होंने निरूपण सेवा देते हुए संत सावता महाराज के विचारों एवं श्रम-संस्कृति का महत्व उपस्थित श्रद्धालुओं के समक्ष रखा। कीर्तन में शिवाजीनगर, बोईसर के विभिन्न भजनी मंडलों ने साथ देकर धार्मिक वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कीर्तन के बाद उपस्थित संत-महंत,

भजनी मंडलों, सेवेकरी, समाजबंधुओं तथा मान्यवरों का स्वागत एवं सत्कार किया गया। कार्यक्रम के दौरान आयोजन में आर्थिक सहयोग देने वाले दानदाताओं का भी सम्मान किया गया।

भोजन एवं महाप्रसाद की सेवा डॉ. रविंद्र महाजन, बेटेगांव की ओर से की गई। वहीं साउंड सिस्टम सहित अन्य आवश्यक सामग्री की सेवा त्रिमूर्ति मंडल एवं दत्त मंदिर कमेटी की ओर से उपलब्ध कराई गई। उनके योगदान के लिए सत्कार कर आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर पालघर के विधायक राजेंद्र गावित, शिवशक्ति सामाजिक संगठन प्रमुख व कामगार नेता संजय पाटील, गजानन देशमुख, संजू दादा नारखेडे, ह.भ.प. राजेंद्र महाजन, जीवन भारांबे, पत्रकार ज्ञानेश्वर रामोशी, राजू भाई राजपूत, पत्रकार राजू देवरे, रविंद्र महाजन, डॉ. महाजन पास्थल, रमेश गिरासे, अनुपमा लाई जाधव सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में माली समाज के अध्यक्ष अर्जुन बावीस्कर, सचिव ह.भ.प. मोहन सिनलकर, सहसचिव आनंद परंडवाल, पुंडलिक पाटील, शांताराम बनकर, आप्पा भागवत, मधुकर पाटील, अशोक माली पाटील, भामरे सर (पालघर मंडल अध्यक्ष), संस्थापक अनिल पठारे (पुणे) सहित समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने विशेष परिश्रम किया। अंत में सभी संत-महंतों, भजनी मंडलों, सेवेकरी, दानदाताओं, समाजबंधुओं एवं उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया।

चिकित्सा और साहित्य में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉक्टर अबू तालिब अंसारी सम्मानित

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के प्रसिद्ध चिकित्सक एवं जाने-माने साहित्यकार डॉ. अबू तालिब अंसारी को आर्ट्स क्रिएटिव थिएटर , भिवंडी की ओर से लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। रविवार, 16 अगस्त 2026 को जी.एम. मोमिन विमेन्स कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित भव्य समारोह में उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र उर्दू साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. हसीन अख्तर सहित सैयद शोएब हाशमी, विक्की नारायण चौधरी, ACT भिवंडी के अध्यक्ष इरफान बरडी, डॉ. वसीक अहमद एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने डॉ. अबू तालिब अंसारी को सम्मानित किया। डॉ. अबू तालिब अंसारी ने चिकित्सा, साहित्य, व्यक्तित्व, इतिहास और सामान्य ज्ञान जैसे विभिन्न विषयों पर अब तक 15 पुस्तकों का लेखन किया है। उनकी पुस्तकों को पाठकों के बीच ख्याति प्राप्त हुई है। चिकित्सा सेवा के साथ साहित्य और सामाजिक क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें यह सम्मान दिया गया।उनकी इस उपलब्धि पर वाई.सी.एम.ओ.यू. स्टडी सेंटर, भिवंडी के कोऑर्डिनेटर अब्दुल अजीज अंसारी, प्रसिद्ध शायर एवं साहित्यकार मुहम्मद अंसारी, अब्दुलहसीब जामई सहित मित्रों एवं शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शातिर वाहन चोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर चोरी के 5 मामलों को किया उजागर

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए भिवंडी क्राइम ब्रांच की कार्रवाई में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चार मोटरसाइकिल और एक ऑटो रिक्शा बरामद किया है। बरामद वाहनों की कुल कीमत करीब 1 लाख 87 हजार रुपये बताई गई है। कार्रवाई के दौरान वाहन चोरी के कुल पांच मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर भिवंडी क्राइम ब्रांच की टीम ने अक्षय पिराजी पवार (22), निवासी हिंगोली को हिरासत में लिया। पूछताछ में पुलिस ने उसके पास से चोरी की चार मोटरसाइकिल और एक ऑटो रिक्शा बरामद किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी से पूछताछ के बाद वाहन चोरी के पांच मामलों का खुलासा हुआ है। आरोपी ने इससे पहले भी अन्य वाहनों की चोरी की है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। भिवंडी क्राइम ब्रांच द्वारा मामले में आगे की जांच जारी है।

नशीले पदार्थों को ना कहें, जीवन को हां कहें

युवा नशामुक्त जीवनशैली अपनायें : जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड

पालघर (उत्तरशक्ति)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग, जिलाधिकारी कार्यालय पालघर, जिला परिषद समाज कल्याण विभाग तथा महाराष्ट्र राज्य नशाबंदी मंडल के संयुक्त तत्वावधान में सोनोपंत दांडेकर महाविद्यालय में नशा विरोधी प्रतिज्ञा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड ने उपस्थित विद्यार्थियों व लोगों को नशामुक्त जीवन जीने की प्रतिज्ञा दिलाई।

केंद्र सरकार के नशामुक्त भारत अभियान की छठी वर्षगांठ के अवसर पर पालघर जिले में 3 लाख 50 हजार से अधिक विद्यार्थियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों ने नशा विरोधी प्रतिज्ञा ली। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड ने कहा कि अंमली पदार्थों को ना कहें और जीवन को हां कहें। उन्होंने युवाओं में नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज को नशे की गिरफ्त से मुक्त कराने में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। नशीले पदार्थों का

सेवन व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ परिवार व्यवस्था और समाज की प्रगति के लिए भी घातक है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर ने बताया कि नशामुक्त भारत अभियान के तहत जिलेभर में स्कूलों, महाविद्यालयों, छात्रावासों, महिला स्वयं सहायता समूहों, आंगनवाड़ी सेविकाओं तथा विभिन्न सामाजिक घटकों की भागीदारी से नशा विरोधी प्रतिज्ञा और जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किये गये। उन्होंने प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, अभिभावकों, शिक्षकों और युवाओं से मिलकर नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रयास करने का आहवान किया।

कार्यक्रम में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र पाटील, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य प्रशासन) इजाज अहमद शरीक मसलत, जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर, सहायक आयुक्त समाज कल्याण पांडुरंग वाबले, सोनपंत दांडेकर शिक्षण मंडल के अध्यक्ष दिलीप कोरे, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. किरण सावे, महाराष्ट्र राज्य नशाबंदी मंडल के जिला समन्वयक मिलिंद पाटील सहित सुर्यमाला पिचड, लतिका भाकरे, मेघालिनी जाधव, श्वेता राऊत, अमोल पाटकर तथा समाज कल्याण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय जिला परिषद पालघर के समाज कल्याण विभाग की ओर से किया गया।

शिव सेवा श्रावण मास पारायण मंडल का आयोजन बना आस्था का प्रतीक

दिवा, ठाणे (उत्तरशक्ति)। शिव सेवा श्रावण मास पारायण मंडल द्वारा आयोजित धार्मिक कार्यक्रम का 18वां विश्राम श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। अब तक आयोजित कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति और स्थानीय कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों ने आयोजन को विशेष बना दिया है। मंडल के अध्यक्ष सचिन चौबे ने कहा कि महाराष्ट्र में अनेक धार्मिक कार्यक्रम हो रहे हैं, लेकिन दिवा जैसे शहर में स्थानीय कलाकारों और श्रद्धालुओं के सहयोग से इतने बड़े स्तर पर आयोजन किया जाना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि मंडल से जुड़े लोगों की धर्म के प्रति आस्था और एकजुटता ही कार्यक्रम की सबसे बड़ी ताकत है।उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि कार्यक्रम अब अंतिम चरण में है, इसलिए आने वाले दिनों में भी इसी उत्साह और समर्पण के साथ अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल हों।आयोजन की सफलता में संतोष तिवारी (राष्ट्रीय परशुराम सेना, दिवा शहर अध्यक्ष), भूपेंद्र मिश्रा, राहुल दुबे, देवराज तिवारी, अमित शुक्ला, नाना, विजय मिश्रा, सुशील पांडे, अनुराग चौबे, विनोद पांडे, विनोद दुबे, राज सिंह सांवरा और विनायक सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता व कलाकार रात-दिन आयोजन सफल बनाने में रहे। सचिन चौबे ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि धर्म और समाज के लिए किए जा रहे इस प्रयास को आगे भी इसी एकजुटता के साथ जारी रखा जाएगा।

कदम कृष्णा वैद्यकीय सहायता कक्ष को एनजीओ लीडर ऑफ द ईयर पुरस्कार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जरूरतमंद, वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को चिकित्सा उपचार के लिए सहायता, आर्थिक सहयोग एवं मानवतावादी सेवाएं उपलब्ध कराने वाले मुंबई के कदम कृष्णा वैद्यकीय सहायता कक्ष के सामाजिक कार्यों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना की गई है। संस्था के निरंतर सेवाकार्य को देखते हुए इस वर्ष का प्रतिष्ठित एनजीओ लीडर ऑफ द ईयर-2026 पुरस्कार संस्था को प्रदान किया जाएगा। काइटक्राफ्ट प्रॉडक्शन्स एलएलपी की ओर से आयोजित इंटरनेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स-2026 के तहत यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार वितरण समारोह शनिवार, 22 अगस्त 2026 को नई दिल्ली स्थित होटल हयात सेंट्रिक, जनकपुरी में आयोजित किया जाएगा। कदम कृष्णा वैद्यकीय सहायता कक्ष के माध्यम से आर्थिक कठिनाइयों के कारण उपचार से वंचित रहने वाले जरूरतमंद मरीजों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने का कार्य किया जाता है। उपचार का खर्च, दवाइयां तथा आवश्यक चिकित्सा सेवाओं के लिए संस्था की ओर से यथासंभव सहयोग किया जाता है। संस्था के इस सेवाकार्य से अनेक

जरूरतमंद परिवारों को राहत और आधार मिला है। एनजीओ लीडर ऑफ द ईयर-2026 पुरस्कार संस्था के निस्वार्थ सेवाभाव, सामाजिक प्रतिबद्धता और मानवतावादी कार्यों का सम्मान माना जा रहा है। यह सम्मान केवल संस्था का ही नहीं, बल्कि संस्था से जुड़े पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, सहयोगियों, हितचिंतकों और सेवाकार्य में योगदान देने वाले सभी लोगों के सामूहिक प्रयासों का गौरव है। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक कृष्णा कदम ने कहा कि यह सम्मान हमारे सेवाकार्य से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं और सहयोगियों का गौरव है। जरूरतमंदों की सहायता करने का हमारा संकल्प आगे भी निरंतर जारी रहेगा। संस्था को मिले इस प्रतिष्ठित सम्मान पर विभिन्न सामाजिक एवं सेवाभावी संगठनों की ओर से कृष्णा कदम सहित संस्था के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और सहयोगियों को बधाई दी जा रही है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

45 दिनों में तीन नाबालिगों से दुष्कर्म के मामलों ने उठाए बेटियों की सुरक्षा पर सवाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में करीब 45 दिनों के भीतर नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म के तीन मामले सामने आने के बाद बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सामने आए इन मामलों में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी दी है। घटनाओं के बाद अभिभावकों में चिंता का माहौल है।

जफराबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में करीब चार वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया था। वहीं, एलकेजी में पढ़ने वाली एक बच्ची से कथित यौन शोषण की घटना ने भी लोगों को झकझोर दिया। पुलिस के अनुसार, दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

इसी क्रम में पवारा थाना क्षेत्र में सात वर्षीय बच्ची को घर से ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया। बताया गया कि घटना के समय बच्ची अपनी मां के साथ सो रही थी। इस मामले में भी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी।

कम समय में सामने आए इन मामलों ने बच्चों की सुरक्षा, अपराधियों में कानून के भय और परिवारों की सतर्कता को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। खासतौर पर तब, जब बच्चों के साथ अपराध करने वाले कई आरोपी उनके परिचित या आसपास के क्षेत्र से जुड़े होने की बात सामने आती है।

सरकार और प्रशासन की ओर से मिशन शक्ति तथा अन्य जागरूकता अभियानों के माध्यम से महिला एवं बालिका सुरक्षा पर लगातार जोर दिया जा रहा है। ऐसे में अभिभावकों का कहना है कि जागरूकता के साथ-साथ जमीनी स्तर पर निगरानी और त्वरित पुलिस कार्रवाई को और प्रभावी बनाया जाना जरूरी है।

नाबालिगों से जुड़े यौन अपराधों में त्वरित जांच, पीड़ित परिवारों को आवश्यक सहायता और दोषियों के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई से ही लोगों का भरोसा मजबूत किया जा सकता है। फिलहाल, लगातार सामने आए इन मामलों ने जौनपुर में बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

मीलादुन्नबी की तैयारियों को लेकर मरकजी सीरत कमेटी ने डीएम को सौंपा 11 सूत्रीय मांगपत्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर आयोजित होने वाले ऐतिहासिक जुलूस एवं जलसे को सकुशल संपन्न कराने की तैयारियों को लेकर मरकजी सीरत कमेटी के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर जिलाधिकारी को संबोधित 11 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा।

कमेटी ने मांगपत्र में बताया कि 26 अगस्त 2026 को पैगम्बर हजरत मोहम्मद के यौमे पैदाइश के अवसर पर जौनपुर शहर में जुलूस एवं जलसे का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान शहर के प्रमुख मार्गों को सजाया जाएगा। कमेटी ने प्रशासन से जुलूस के मार्गों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने की मांग की।

प्रमुख मांगों में शाही ईदगाह से शाही अटाला मस्जिद तक की सड़कों को गड्ढामुक्त कराने, 27 अगस्त तक रात्रि विद्युत कटौती से शहर को मुक्त रखने तथा 26 अगस्त को विशेष रूप से 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था करने की मांग की गई। कमेटी ने जुलूस एवं जलसे के दौरान किसी अप्रिय घटना की स्थिति से निपटने के लिए जुलूस मार्ग पर दो एंबुलेंस और दो मेडिकल कैंप उपलब्ध कराने की मांग की। इसके अलावा अग्निशमन वाहन की तैनाती, 26 अगस्त को चार टैंकर पेयजल की व्यवस्था, जुलूस के प्रमुख मार्गों की साफ-सफाई एवं चूना छिड़काव कराने की मांग भी रखी गई।

मांगपत्र में दो मोबाइल टॉयलेट उपलब्ध कराने तथा शहर के सभी डीलक्स शौचालयों को 26 अगस्त की रात भर निःशुल्क खुले रखने की मांग की गई। साथ ही नगर पालिका परिषद के मैदान में साफ-सफाई, पेयजल और प्रकाश की व्यवस्था कर उसे रातभर लोगों के लिए खोले रखने की मांग की गई। कमेटी ने जुलूस एवं जलसे के दौरान पर्याप्त संख्या में पुलिस और पीएसी बल की तैनाती की भी मांग की, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराया जा सके।

इस अवसर पर मरकजी सीरत कमेटी के सदर ओबैदा शिराजी, जनरल सेक्रेटरी इम्तियाज अहमद रज्जू, हसीन बबलू सभासद, अरशद कुरैशी पूर्व अध्यक्ष, मौलाना अनवार कासमी, जफर मसूद, फिरोज अंसार खान, संरक्षक, कन्वीनर फिरोज अहमद पप्पू, खजांची मो. फराज खान, सह-खजांची फरहान शेख, ऑडिटर व कंट्रोल रूम इंचार्ज अबु हुजैफा खान, सह-कंट्रोल रूम इंचार्ज मो. सादिक, मैनेजर मो. आमिर, मीडिया प्रभारी रियाजुल हक मंसूरी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सरपतहां पुलिस ने अंतर्जनपदीय चोर को दबोचा, चोरी की बाइक और 6200 रुपये बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सरपतहां थाना पुलिस ने एक अंतर्जनपदीय चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल और 6200 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान रविकान्त पाल पुत्र रामकिशोर पाल, निवासी लेदौरा, थाना अहिरौला, जनपद आजमगढ़ के रूप में हुई है। आरोपी थाना सरपतहां में दर्ज मुकदमा संख्या 273/2026 से संबंधित बताया गया है। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी का चालान न्यायालय भेज दिया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ जौनपुर और आजमगढ़ के विभिन्न थानों में पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इनमें शस्त्र अधिनियम, धोखाधड़ी, धमकी तथा चोरी से संबंधित मामले शामिल हैं। बरामदगी में मोटरसाइकिल संख्या HR26AC7369, चेसिस नंबर MBLHAW4135HG11234 और इंजन नंबर HA11F25HG00385 के साथ चोरी के 6200 रुपये नकद शामिल हैं। गिरफ्तारी एवं बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक चन्द्रमा पाण्डेय, कांस्टेबल रामप्रवेश चौहान, रिजर्व कांस्टेबल बृजेश कुमार और रिजर्व कांस्टेबल शिवम कुशवाहा शामिल रहे।

डा.अंबर खान ने वीर सपूतों के योगदान को किया याद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहर के पॉलिटेक्निक चौराहा स्थित एक अस्पताल में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अस्पताल की संचालिका एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. अंबर खान ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। इस अवसर पर डा. अंबर खान ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सपूतों के त्याग, संघर्ष और बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान की बदौलत आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं। हमें उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर देश की एकता, अखंडता और विकास में अपना योगदान देना चाहिए। ध्वजारोहण के बाद उपस्थित लोगों के बीच मिठाइयों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जिला अस्पताल के वरिष्ठ सर्जन डा. सैफ हुसैन खान, अलीना खान, आइमा खान, रंजू देवी, सरिता सिंह, आशीष प्रजापति, आदर्श मौर्य, अरमान खान, जयहिंद यादव, मनीषा माया सहित तमाम लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति का माहौल बना रहा।

तेजी बाजार में कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा, शिक्षक संघ ने फल-जूस बांटकर किया स्वागत

तेजी बाजार, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रमेश चंद्र मिश्रा द्वारा आयोजित दो दिवसीय भव्य कांवड़ यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला। करसूल नाथ महादेव धाम की ओर जा रहे कांवड़ियों का तेजी बाजार चौराहे पर प्राथमिक शिक्षक संघ बक्सा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भव्य स्वागत किया।

सावन के पवित्र सोमवार के अवसर पर शिक्षक संघ के सदस्यों ने कांवड़ श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर उनका उत्साह बढ़ाया। लंबी दूरी तय कर रहे शिवभक्तों की सेवा के लिए स्टॉल लगाकर फल और जूस का वितरण भी किया गया। शिक्षकों की इस सेवा भावना से कांवड़ यात्रा का माहौल भक्तिमय हो गया।

इस अवसर पर बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने शिक्षकों द्वारा किए गए सेवा कार्य की सराहना करते हुए बक्सा ब्लॉक के सभी शिक्षकों, शिक्षिकाओं, शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए खंड शिक्षा अधिकारी नीरज श्रीवास्तव तथा प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सरोज सिंह की विशेष रूप से प्रशंसा की।

विधायक ने कहा कि कांवड़ श्रद्धालुओं की सेवा और स्वागत के लिए शिक्षकों द्वारा किया गया यह कार्य सामाजिक समरसता और सेवा भावना का उदाहरण है। ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं।

कार्यक्रम के दौरान संरक्षक शैलेंद्र सिंह, जिला संयुक्त मंत्री शैलेंद्र सिंह, जिला मंत्री मनीष सिंह, संगठन मंत्री सुनील प्रजापति, प्रवीण कुमार सिंह, शशांक सिंह, दिग्विजय यादव, भोला यादव, अवधेश यादव, रत्नेश प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

पीआरडी जवानों ने देखा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महायोगी गुरु गोरखनाथ की पावन धरा गोरखपुर स्थित योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह एवं सांस्कृतिक केंद्र, रामगढ़ताल में आयोजित प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) जवानों के सम्मेलन एवं विभिन्न विकास कार्यों के शुभारंभ कार्यक्रम का जौनपुर में सजीव प्रसारण किया गया।

कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में विधायक मड़ियाहू डॉ. आर.के. पटेल, एमएलसी बृजेश सिंह ह्यप्रिंसूह्न, भाजपा मछलीशहर जिलाध्यक्ष अजय सिंह, जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. एवं मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया की उपस्थिति में पीआरडी जवानों एवं संबंधित अधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पीआरडी जवानों के योगदान एवं दायित्वों की सराहना करते हुए उनके कल्याण के लिए शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस अवसर पर लखनऊ के सरोजनी नगर स्थित ग्राम एटर पश्चिम में करीब 23 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले बहुमंजिला पीआरडी बैरक का शिलान्यास तथा मुख्यमंत्री पीआरडी कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया गया।

जौनपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले 10 पीआरडी जवानों को जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विधायक मड़ियाहू डॉ. आर.के. पटेल ने कहा कि शासन द्वारा पीआरडी जवानों के कल्याण, आवासीय सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। बहुमंजिला बैरक के निर्माण से जवानों को बेहतर आवासीय सुविधा मिलेगी, जबकि कैशलेस चिकित्सा योजना से जवानों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा।

एमएलसी बृजेश सिंह ह्यप्रिंसूह्न ने कहा कि पीआरडी जवान शासकीय कार्यों, कानून-व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, आपदा प्रबंधन तथा महत्वपूर्ण आयोजनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी वे निष्ठा, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष अजय सिंह ने पीआरडी जवानों को अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पीआरडी जवान शासन एवं प्रशासन की विभिन्न व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण सहयोग देते हैं। सजीव प्रसारण के दौरान कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में मौजूद पीआरडी जवानों में उत्साह एवं प्रसन्नता का माहौल रहा। जवानों ने शासन द्वारा उनके हित में संचालित कल्याणकारी योजनाओं एवं प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संबंधित अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में प्रांतीय रक्षक दल के जवान उपस्थित रहे।

अचानक बिजली आपूर्ति होने से फ्यूज बाध रहा कर्मचारी झुलसा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोमवार दोपहर फ्यूज बाध रहा विद्युत कर्मचारी अचानक से लाइन के चालू होने से गंभीर रूप से झुलस गया। उसका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।

एसडीओ ने अपना कर्मचारी ना होने की बात कह कर झाड़ लिया पल्ला

बताया जाता है कि सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के बरैया गांव निवासी शैलेश मिश्रा उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र राजेंद्र प्रसाद मिश्रा सिंगरामऊ में विद्युत संविदा कर्मचारी है आज वह फ्यूज जोड़ने का कार्य कर रहा था उसी समय अचानक लाइन के चालू हो जाने से वह झुलस गया। तुरंत साथी कर्मचारियों ने परिजनों के साथ उसे जिला अस्पताल पहुंच कर भर्ती करवाया जहां उसका उपचार चल रहा है। घटना के संबंध में शैलेश मिश्रा यह बताएं कि शटडाउन लिया था बिजली चालू होने से वह झुलस गया। कुछ सेकंड बाद बताया कि शटडाउन लिया था फ्यूज जोड़ने के लिए लेकिन बात नहीं हो पाई। अब इसमें कितनी सच्चाई है यह तो जांच का विषय है। हालांकि जब सिंगरामऊ एसडीओ शोएब अंसारी से दूरभाष पर पूछा गया तो उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह मेरा कर्मचारी ही नहीं है। अब यहां पर यह सवाल पैदा होता है कि आखिर एक प्राइवेट व्यक्ति कैसे फ्यूज जोड़ने का कार्य को कर सकता है। यह एक गंभीर सवाल है। स्थानीय लोगों के अलावा अन्य संविदा कर्मचारी भी यही चाहते हैं कि इस प्रकरण की जांच होना आवश्यक है ताकि पूरी तरह घटना स्पष्ट हो सके कि आखिर इसमें सच कौन बोल रहा है। घटना में कर्मचारी की जान भी जा सकती थी यह स्थानीय लोगों का मानना है।

यूपी में 18 सहायक मजिस्ट्रेटों के तबादले, कई जिलों में नई तैनाती

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए 18 सहायक मजिस्ट्रेटों का स्थानांतरण कर नई तैनाती दी है। अधिकारियों को प्रदेश के विभिन्न जिलों में संयुक्त मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आदित्य श्रीवास्तव को मुरादाबाद से स्थानांतरित कर संयुक्त मजिस्ट्रेट शाहजहांपुर बनाया गया है। नौशीन को फतेहपुर से स्थानांतरित कर संयुक्त मजिस्ट्रेट बस्ती की जिम्मेदारी दी गई है। शौर्य अरोड़ा को संयुक्त मजिस्ट्रेट बदायूं और कुणाल रस्तोगी को संयुक्त मजिस्ट्रेट गोरखपुर बनाया गया है। इसी क्रम में अयान जैन को संयुक्त मजिस्ट्रेट आजमगढ़, शिवम कुमार को संयुक्त मजिस्ट्रेट महाराजगंज, अनिमेष वर्मा को संयुक्त मजिस्ट्रेट देवरिया और अंशुल हिंदल को संयुक्त मजिस्ट्रेट सुल्तानपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शुभांशु कटियार बने संयुक्त मजिस्ट्रेट जौनपुर, जबकि विनोद कुमार मीना को संयुक्त मजिस्ट्रेट औरैया और अर्पित कुमार को संयुक्त मजिस्ट्रेट प्रयागराज बनाया गया है। रिदम आनंद को संयुक्त मजिस्ट्रेट कानपुर देहात, रमेश चंद्र वर्मा को संयुक्त मजिस्ट्रेट बलिया, जीतो अक्षय दीपक को संयुक्त मजिस्ट्रेट कुशीनगर और तेजस केठो को संयुक्त मजिस्ट्रेट मैनपुरी की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं मनीषा धामे को संयुक्त मजिस्ट्रेट झांसी बनाया गया है। सूची में अपराजिता आर्यन का भी नाम शामिल है। शासन के इस प्रशासनिक फेरबदल से विभिन्न जिलों में प्रशासनिक व्यवस्था में बदलाव देखने को मिलेगा।

पीयू में मनायी गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मंगलवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा कुलपति प्रो. वंदना सिंह के नेतृत्व में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव ने रोवर्स-रेंजर्स परिसर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने नेताजी के जीवन, संघर्ष, अदम्य साहस और राष्ट्रभक्ति को स्मरण करते हुए कहा कि नेताजी का जीवन देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने स्वतंत्रता संग्राम में अपने अदम्य साहस और नेतृत्व से देशवासियों में स्वाधीनता की भावना को प्रबल किया। उनका जीवन त्याग, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण है। इस अवसर पर उत्कर्ष सिंह, आर्यन, संतोष, मुन्ना रावत सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। सभी ने नेताजी के आदर्शों को आत्मसात करने और राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

भूमि विवाद में लापरवाही पर सीएम योगी सख्त, लेखपाल-कानूनगो-तहसीलदर निलंबित

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भूमि संबंधी मामलों में लापरवाही बरतने वाले राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान एक महिला ने दबंगों द्वारा रास्ते पर कब्जा किए जाने की शिकायत मुख्यमंत्री से की। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए सीएम योगी ने संबंधित लेखपाल, कानूनगो और तहसीलदार को निलंबित करने का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि भूमि विवादों और राजस्व संबंधी मामलों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच में लापरवाही सामने आने पर संबंधित कर्मचारी या अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और मामले की गंभीरता के अनुसार निलंबन भी किया जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन दिनों तीन दिवसीय गोरखपुर दौरे पर हैं। मंगलवार सुबह उन्होंने गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में पहुंचे लोगों से सीधे मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीएम योगी ने कहा कि आम जनता की शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए। विशेष रूप से भूमि विवादों में निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को तत्काल राहत दिलाई जाए।

जौनपुर में सरकारी-गैर सरकारी संस्थान ने धूम धाम से झंडा रोहण कर मनाया 80 वा स्वतंत्रता दिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। देश सहित जौनपुर जिले में विभिन्न संस्थाओं ने झंडारोहण कर रंगारंग कार्यक्रम के बीच मनाया स्वतंत्रता दिवस।

अल मदनी पब्लिक स्कूल तारापुर तकिया मदरसे में भी मौलाना वसीम शेरवानी ने झंडारोहण कर बच्चों को आजादी की कीमत के ऊपर एक व्याख्यान दिया।

वहीं नईगंज स्थित राजकुमार मेमोरियल हॉस्पिटल में भी झंडारोहण करके डॉक्टर उनकी टीम ने स्वतंत्रता के महत्व पर प्रकाश डाला इस मौके पर खालिद कमाल सहित अन्य मौजूद रहे। सिपाह स्थित मदरसा लीलबनात व मदर आयशा पब्लिक स्कूल में भी झंडारोहण कर लोगों में उत्साह देखा गया इस मौक पर मैनेजर अबु ओबैदा शिराजी व मौलाना अनवार आदि उपस्थित रहे।

निशुल्क दिव्यांग विद्यालय हर्षिता इंटरनेशनल दिव्यांग स्कूल बक्शा जौनपुर में झंडा रोहण का कार्यक्रम रखा गया था जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एडवोकेट अशोक कुमार सैनी प्रदेश सचिव ओबीसी कांग्रेस कमेटी उत्तर प्रदेश कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति डॉक्टर बृजेश कनौजिया की रही आयोजन डॉ प्रमोद कुमार सैनी और धवल सिंह ओम ने किया।

वही स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रभक्ति, गौरव और उल्लास के साथ साथ संत निरंकारी मिशन ने इस ऐतिहासिक अवसर पर ब्रह्मज्ञान द्वारा प्रदत्त आंतरिक स्वतंत्रता के दिव्य संदेश को भी जन-जन तक पहुँचाया। यह पर्व इस सत्य को साकार करता है कि वास्तविक मुक्ति बाहरी बंधनों से नहीं, बल्कि अज्ञान, अहंकार और भेदभाव से मुक्त होकर आत्मबोध एवं परमात्मबोध की अनुभूति में निहित है। यह बाते निरकारी भवन में आयोजित कार्यक्रम में कही गई।

देर रात तक सद्भावना पुल और घाट पर रहा लोगों का जमावड़ा

नगर के मदरसा दारुल इरफान, बोदकरपुर में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाई गई।

झंडारोहण मदरसा के प्रधानाचार्य मुर्तजा हसन मदनी ने किया,कार्यक्रम का संचालन समीउल्लाह फलाही ने किया।

शाहगंज के फरीदुल हक मेमोरियल डिग्री कॉलेज और सर सैयद इंटर कॉलेज सबरहद में भी झंडारोहण करके हर्षौल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजन हुआ ।

मोहम्मद हसन डिग्री कॉलेज एवं इंटर कॉलेज में भी झंडारोहण करके हर्षौल्लास से कार्यक्रम आयोजित किए गए।

वही मोहल्ला अहमद खां मंडी में अशियम जनकल्याण फाउंडेशन के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुस्कान मौर्य ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। मुख्य अतिथि का स्वागत वरिष्ठ नागरिक हसीना बानो द्वारा किया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को सफल बनाने में मेसर आलम दरोगा खान, रियाजुल हक,तालिब खान, अल्ताफ खान, शानू हैदर, शरीफ अहमद माठे, विशाल इसराइल, भगेलू, अब्दुल्ला खान, अशहद खान सहित क्षेत्र के लोग रहे। ओलन्दगंज स्थित नेशनल मोबाइल हब पर भी झंडारोहण कर रियाजुल हक, मेसर आलम ने मिष्ठान वितरित किया।

वही गहना कोठी परिवार ने राजा जौनपुर की ऐतिहासिक हवेली राजमहल भी देशभक्ति के रंग में सराबोर नजर आया पूर्वांचल के प्रतिष्ठित आभूषण कारोबारी परिवार गहना कोठी के ओर से राज परिसर में ध्वजा रोहण कर स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। गहना कोठी परिवार के अनिल बाला, विनीत सेठ ने ध्वजारोहण किया व परिवार के अन्य सदस्य अनिकेत बाला, विशाल सेठ, विपीन सेठ, हर्षित सेठ, आयुष सेठ, उज्जवल सेठ, ओम सेठ, वंशिका सेठ, हरी सेठ, अनोखी सेठ, आयुषी उपस्थित रहे, व प्रतिष्ठान के कर्मचारी सुरक्षाकर्मी, और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। इस अवसर पर देश के आजादी के लिए संघर्ष करने वाले वीरों के त्याग और बलिदान को स्मरण किया गया, उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

यूपी में प्रधानों का कार्यकाल फिर बढ़ने के आसार, नवंबर के बाद मिल सकता है 6 माह का विस्तार

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में ग्राम प्रधानों के कार्यकाल को एक बार फिर छह माह के लिए बढ़ाए जाने के आसार बन रहे हैं। इसके पीछे प्रमुख वजह पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को माना जा रहा है। आयोग के नवंबर-दिसंबर में अपनी रिपोर्ट सौंपने की संभावना है। ऐसे में पंचायत चुनाव की प्रक्रिया आगे खिसक सकती है।

दरअसल, प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अप्रैल 2026 में प्रस्तावित थे, लेकिन समय पर चुनाव नहीं हो सके। इसके बाद राज्य सरकार ने 26 मई को ग्राम प्रधानों का कार्यकाल छह माह के लिए बढ़ाया था। यह अवधि नवंबर में पूरी होने जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक, पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट आने के बाद ही पंचायत चुनाव की प्रक्रिया आगे बढ़ने की संभावना है। वहीं, इसी दौरान प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियां भी शुरू होनी हैं। ऐसे में पंचायत चुनाव को आगे टालने की स्थिति बन सकती है और ग्राम प्रधानों को एक बार फिर छह माह का कार्यकाल दिए जाने की संभावना जताई जा रही है।

इससे पहले सरकार ने प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें प्रशासक नियुक्त करने की व्यवस्था की थी। हालांकि, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रशासक नियुक्त किए जाने को असंवैधानिक करार दिया था। इसके बाद सरकार के सामने पंचायतों के संचालन और चुनाव तक की व्यवस्था को लेकर चुनौती बनी हुई है।

अब सबकी निगाहें पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट और सरकार के अगले फैसले पर टिकी हैं। यदि पंचायत चुनाव आगे खिसकते हैं तो मौजूदा प्रधानों को छह माह का अतिरिक्त कार्यकाल मिलने की संभावना मजबूत हो सकती है।

महुली में नाग पंचमी पर सजा भव्य कुश्ती दंगल

महुली, दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विंढमगंज थाना क्षेत्र के महुली न्याय पंचायत में नाग पंचमी के अवसर पर आयोजित पारंपरिक कुश्ती दंगल प्रतियोगिता इस वर्ष भी राजा बरियार शाह खेल मैदान में धूमधाम से संपन्न हुई। प्रतियोगिता में क्षेत्र के नामी-गिरामी पहलवानों ने अखाड़े में उतरकर शानदार दांव-पेंच का प्रदर्शन किया। रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए खेल मैदान में सैकड़ों की संख्या में दर्शक जुटे रहे। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि वीरेंद्र चौधरी, मंडल अध्यक्ष विंढमगंज तथा विशिष्ट अतिथि सत्यनारायण कन्नौजिया, जिला स्काउट कमिश्नर सोनभद्र एवं विंध्याचल प्रसाद कन्नौजिया ने पूजा-अर्चना के बाद फीता काटकर किया। इसके बाद अखाड़े में पहलवानों के बीच एक से बढ़कर एक रोमांचक मुकाबले हुए।

पहले मुकाबले में अनुराग जोरूखाड़ और संदीप आमने-सामने हुए, जिसमें संदीप ने जीत दर्ज की। इसके बाद संदीप का मुकाबला संजय महुली से हुआ, जिसमें संजय ने शानदार दांव लगाते हुए बाजी मार ली। इसी क्रम में आयुष, संजय, दिलीप कुमार, मुकेश कुमार, अभय, रंगीला, अमरनाथ फुलवार और चंद्रप्रकाश विंढमगंज सहित अन्य पहलवानों ने अपने दमदार प्रदर्शन से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।

प्रतियोगिता के अंतिम दौर में संजय कुमार महुली और चंद्रप्रकाश विंढमगंज ने शानदार कुश्ती का प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबले जीतकर खिताब अपने नाम किया। विजेता पहलवानों को मुख्य अतिथि वीरेंद्र चौधरी, विशिष्ट अतिथि सत्यनारायण कन्नौजिया, विंध्याचल प्रसाद कन्नौजिया एवं उदय शर्मा ने नगद धनराशि, विशेष पुरस्कार और अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। आयोजन को सफल बनाने में रामलखन कन्नौजिया ने तीन हजार रुपये, ग्राम प्रधान महुली अरविंद जायसवाल ने दस अंगवस्त्र तथा मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र चौधरी ने दस अंगवस्त्र और पांच सौ रुपये का सहयोग प्रदान किया। क्षेत्र के दुकानदारों और नागरिकों ने भी आर्थिक एवं अन्य सहयोग देकर प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुश्ती दंगल के मुख्य निर्णायक डॉ. राकेश कुमार कन्नौजिया, प्रधानाचार्य आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज महुली रहे। उन्होंने मुकाबलों में निर्णायक की भूमिका निभाते हुए प्रतियोगिता को निष्पक्ष एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराया। इस अवसर पर मनीष कुमार, अनूप कुमार, रूपेश कुमार, सूरज कुमार, सोनू कुमार सहित सैकड़ों ग्रामीण, खेलप्रेमी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। नाग पंचमी पर आयोजित इस पारंपरिक कुश्ती दंगल ने क्षेत्र की पुरानी खेल एवं सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत करते हुए युवाओं में खेल भावना और उत्साह का संचार किया।

बेकरी की दुकान में लगी आग 10 लाख चोरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस लाइन के सामने स्थित किड्स बैकर्स में मंगलवार दोपहर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। इस अग्निकांड में बेकरी का लगभग 10 लाख रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। किड्स बैकर्स के मालिक जगदंबा प्रसाद श्रीवास्तव ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी।

जब बिजली का तार जलकर नीचे गिरा, उस समय बेकरी में तीन कर्मचारी मौजूद थे। उन्होंने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन बेकरी में प्लास्टिक का सामान अधिक होने के कारण आग तेजी से फैल गई और वे उस पर काबू नहीं पा सके। श्रीवास्तव के अनुसार, उन्होंने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम लगभग आधे घंटे बाद घटनास्थल पर पहुंची और आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। यह भी आरोप लगाया कि यदि फायर ब्रिगेड समय पर पहुंच जाती तो इतना बड़ा नुकसान टाला जा सकता था। अग्निशमन के अनुसा कि सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। मामले की विस्तृत जांच जारी है ।

कमरे में फंदे से लटकता मिला युवती का शव, जांच में जुटी पुलिस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के थानागद्दी पुरानी बाजार में 24 वर्षीय युवती का शव घर के कमरे में फंदे से लटकता मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बताया गया कि पुरानी बाजार निवासी सुनील सेठ की पुत्री शीतल सेठ का शव कमरे में फंदे से लटकता मिला। परिजनों की सूचना पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ परिजनों से जानकारी ली। मामले की सूचना पर फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल की जांच कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवती ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, फिलहाल इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो ने टॉप 40 युवा इनोवेटर्स के नामों की घोषणा की

पटना(उत्तरशक्ति)। सैमसंग इंडिया ने सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो के टॉप 40 सेमी-फाइनलिस्ट टीमों की घोषणा की। यह युवाओं के लिए सैमसंग का खास इनोवेशन प्रोग्राम है, जो उन्हें अपने आस-पास की चुनौतियों को पहचानने और मेंटरशिप, टेक्नोलॉजी, प्रोटोटाइपिंग और प्रैक्टिकल लर्निंग के जरिए अपने आइडिया को समाधान में बदलने का मंच देता है। टॉप 40 टीमें 15 राज्यों और 26 शहरों से हैं, जिनमें से आधी से ज्यादा टीमें टियर 2 और टियर 3 शहरों से हैं। वाराणसी, कोयंबटूर, गुंटूर, अमृतसर, सुंदरगढ़ और राजकोट के युवा इनोवेटर्स ने बड़े टेक्नोलॉजी और एजुकेशन हब की टीमों के साथ नेशनल सेमी-फाइनल में जगह बनाई है। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के कॉर्पोरेट वाइस प्रेसिडेंट एसपी चुन ने कहा कि इस साल के टॉप 40 में जो बात सबसे खास है, वह यह है कि युवा अपने आस-पास की दुनिया को कितनी बारीकी से देख रहे हैं। सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो के जरिए हमारी भूमिका इन युवा इनोवेटर्स को मेंटरशिप, टेक्नोलॉजी और ऐसे मौके देना है जिनसे वे अपनी सोच को असल बदलाव में बदल सकें। सैमसंग के भारत में 30 साल पूरे होने पर, हम उन आइडिया और टैलेंट में निवेश जारी रखना चाहते हैं जो देश के अगले 30 सालों को आकार देंगे।

गंगा महोत्सव से देव दीपावली तक सजेगी काशी, घाटों पर संस्कृति और आस्था का महासंगम

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी की पहचान केवल उसके प्राचीन घाटों, मंदिरों और गलियों से नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक चेतना से है जो गंगा की लहरों के साथ सदियों से बहती आई है। इसी जीवंत परंपरा को एक बार फिर देश-दुनिया के सामने भव्य रूप में उतारने की तैयारी शुरू हो गई है। नवंबर में गंगा महोत्सव और देव दीपावली के दौरान काशी के घाट संस्कृति, संगीत, कला और आध्यात्मिकता के विराट मंच में तब्दील होंगे। 20 से 23 नवंबर तक गंगा महोत्सव और 24 नवंबर को देव दीपावली का आयोजन प्रस्तावित है। राजघाट पर गंगा महोत्सव का प्रमुख कार्यक्रम होगा, जबकि नमो घाट और राजघाट पर अन्य सांस्कृतिक आयोजन होंगे। गंगा महोत्सव एवं देव दीपावली की तैयारियों को लेकर मंगलवार को मंडलायुक्त एस. राजलिंगम की अध्यक्षता में बैठक हुई। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आयोजन को केवल भव्यता तक सीमित न रखते हुए काशी की आत्मा से जोड़कर प्रस्तुत किया जाए। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा, सुरक्षा तथा यातायात व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। मतलब साफ हैकाशी में नवंबर की शामें इस बार केवल दीपों से नहीं, बल्कि गंगा की लहरों पर उतरती संस्कृति, सुरों और आध्यात्मिक आभा से भी जगमगाने की तैयारी में है।

विभीषिका दिवस पर बोरीवली में भव्य कवि सम्मेलन, राष्ट्रसेवा के 100 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम आयोजित

मुंबई/बोरीवली। विभाजन विभीषिका दिवस के अवसर पर पूर्वांचल मानस मंडल एवं साहित्य भारती के संयुक्त तत्वावधान में अटल स्मृति उद्यान, बोरीवली में ह्यअखंड भारत स्मृति दिवस एवं राष्ट्र सेवा के 100 वर्षह्ल के उपलक्ष्य में भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित कवियों एवं कवयित्रियों ने देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और अखंड भारत की भावना से ओत-प्रोत रचनाओं की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। उनकी भावपूर्ण एवं ओजस्वी प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया और कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक मनीषा ताई चौधरी, अध्यक्ष प्रवीण देशमुख, संरक्षक विधायक संजय उपाध्याय, वीरेंद्र याग्निक,

महिला प्रतिनिधि अन्नपूर्णा गुप्ता, भाजपा उपाध्यक्ष श्रीमती रंजु झा, बिट्टू जैन, महक सहित अनेक साहित्यकार एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।इस अवसर पर सभी रचनाकारों को उनकी साहित्यिक प्रतिभा और राष्ट्रभक्ति से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। वक्ताओं ने कहा कि साहित्य और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से समाज में राष्ट्रप्रेम, एकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

विभाजन विभीषिका दिवस उन लाखों लोगों के संघर्ष, पीड़ा, त्याग और बलिदान को स्मरण करने का अवसर है, जिन्होंने विभाजन की त्रासदी को झेला। वक्ताओं ने कहा कि नई पीढ़ी को इतिहास की सच्चाइयों और उससे मिलने वाली सीख से अवगत कराना आवश्यक है, ताकि देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव की भावना और मजबूत हो।

आयोजकों ने कहा कि राष्ट्रहित एवं समाजहित से जुड़े ऐसे कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे, ताकि युवाओं और आने वाली पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम, एकता, अखंडता एवं सेवा की भावना को और अधिक मजबूती मिले।

मुंबई कांग्रेस उपाध्यक्ष गंगवानी जी का हुआ अभिनंदन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई कांग्रेस के उपाध्यक्ष श्री गंगवानी जी का स्थानीय नेताओं एवं सामाजिक कार्यकताओं द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने उन्हें मंगलमय जीवन, उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में बिरजू मुण्डदा, हेमंत बापट, डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष, युवा ब्रिगेड), डॉ. आर.एम. पाल, मनोज सिंह, टपाल उमेश, मोहित सिंह, करुणानिधि, नरेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, पीताम्बर साहू, भरत अमेशर सहित अनेक स्थानीय नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने श्री गंगवानी जी के सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन में निरंतर सफलता की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल एवं मंगलमय भविष्य की शुभेच्छाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

जौनपुर में जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि,

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय, जौनपुर मुदित सक्सेना ने अवगत कराया है कि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं उत्कृष्ट शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के पंजीकरण अभियान में जनपद जौनपुर ने उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है। सत्र 2027-28 में कुल 10,078 पंजीकरण के साथ जौनपुर जनपद संपूर्ण उत्तर प्रदेश में द्वितीय स्थान पर है। गत सत्र 2026-27 में जनपद से कुल 6,573 अभ्यर्थियों का पंजीकरण हुआ था, जबकि सत्र 2027-28 में यह संख्या बढ़कर 10,078 हो गई है। इस प्रकार एक वर्ष में 3,505 पंजीकरण की वृद्धि दर्ज की गई है, जो लगभग 53.32 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है।

यह उपलब्धि जनपद जौनपुर के लिए गौरव का विषय है। जिलाधिकारी, जौनपुर के मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी नेतृत्व में जिला प्रशासन तथा बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा किए गए समन्वित एवं निरंतर प्रयासों ने इस अभियान को प्रभावी गति प्रदान की। पात्र एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों तक जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा की जानकारी पहुंचाने, अभिभावकों में जागरूकता उत्पन्न करने तथा अधिकाधिक विद्यार्थियों को पंजीकरण के लिए प्रेरित करने हेतु विद्यालय स्तर तक व्यापक प्रयास किए गए।

अभियान की सफलता में जिला प्रशासन, बेसिक शिक्षा विभाग, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, समस्त खंड शिक्षा अधिकारी, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों एवं अन्य संबंधित कार्मिकों की सक्रिय, समर्पित एवं सामूहिक भूमिका रही। इन सभी के समन्वित प्रयासों का परिणाम है कि जौनपुर ने गत वर्ष की तुलना में पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करते हुए संपूर्ण उत्तर प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।जवाहर नवोदय विद्यालय, जौनपुर के प्राचार्य श्री मुदित सक्सेना ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा का प्रत्येक पंजीकरण केवल एक संख्या नहीं, बल्कि किसी ग्रामीण प्रतिभा के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। 6,573 से बढ़कर 10,078 पंजीकरण होना तथा संपूर्ण उत्तर प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त करना जनपद के सामूहिक प्रयास, प्रभावी समन्वय और ग्रामीण प्रतिभाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

उन्होंने जिलाधिकारी, जौनपुर के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन के लिए विशेष आभार व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन एवं बेसिक शिक्षा विभाग के सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों की सराहना की। साथ ही उन्होंने समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों, ब्लॉक प्रभारियों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं अभियान से जुड़े सभी सहयोगियों को इस उपलब्धि का सहभागी बताया।

प्राचार्य ने कहा कि जवाहर नवोदय विद्यालय का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को समान अवसर, उत्कृष्ट शिक्षा, अनुशासन एवं सर्वांगीण विकास का वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जौनपुर जनपद भविष्य में भी इसी सामूहिक भावना एवं समन्वित प्रयासों के साथ आगे बढ़ते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने की दिशा में और अधिक प्रभावी प्रयास करेगा। यह उपलब्धि केवल पंजीकरण संख्या में वृद्धि नहीं, बल्कि जौनपुर की ग्रामीण प्रतिभाओं के प्रति जनपद की सामूहिक प्रतिबद्धता तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों की महत्वपूर्ण सफलता है।

रहमानिया सीरत कमेटी की बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रहमानिया सीरत कमेटी ढड़ियाना टोला की बैठक मंगलवार को हजरत मौलाना अफाक साहब की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में कमेटी की नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। बैठक में शफीक रजा जौनपुरी को सदर, इस्तिखारुल प्रधान को जनरल सेक्रेटरी तथा साजिद अली गल्लू को खजांची चुना गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का उपस्थित सदस्यों ने स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कमेटी के सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों को बेहतर ढंग से संचालित करने, आपसी एकता और भाईचारे को मजबूत करने तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में शाहनवाज मंजूर सभासद, शाहनवाज अहमद सभासद अबीरगढ़ टोला, अनवर उल हक पूर्व सभासद, सैफुद्दीन उर्फ कैस, वसीम कुरैशी, नूरुद्दीन उर्फ संजू, जावेद खान बाबू पूर्व सभासद, मौलाना हनीफ उल कादरी, असद खान मुन्ना, अजीज, अल्ताफ, तोहिद, हाफिज रेहान, मोहम्मद कलीम सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

आगामी त्योहारों एवं बारावफात जुलूस के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक ने की ऑनलाइन बैठक

सुलतानपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी त्योहारों एवं बारावफात जुलूस को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर चारू निगम ने जनपद के पुलिस अधिकारियों के साथ ऑनलाइन गूगल मीटिंग की। बैठक में समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी, हल्का प्रभारी एवं चौकी प्रभारी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्कता बरती जाए। बारावफात जुलूस के मार्गों का पूर्व में निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं

सुनिश्चित की जाएं तथा संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने जुलूस के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु रखने, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती करने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना फैलाने वालों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही स्थानीय लोगों एवं धर्मगुरुओं से संवाद स्थापित कर आपसी सौहार्द एवं शांति बनाए रखने पर जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि त्योहारों के दौरान पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रहे और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पहले से सुनिश्चित की जाएं।

हिंदुस्तान मानवाधिकार कार्यालय में विशेष बैठक आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हिंदुस्तान मानवाधिकार के जिला कैंप कार्यालय में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पुलिस की कथित अन्यायपूर्ण और असंवैधानिक कार्यशैली पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक का मुख्य बिंदु 16 जुलाई को सेवानिवृत्त पंजाब नेशनल बैंक प्रबंधक और हिंदुस्तान मानवाधिकार संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञान कुमार के साथ थाना लाइन बाजार पुलिस द्वारा किए गए कथित अपमानजनक और फजीर्वाड़े का मामला था। उपस्थित सदस्यों ने इस घटना की कड़ी निंदा की।हिंदुस्तान मानवाधिकार के राष्ट्रीय महासचिव और मिशन रिमूव करप्शन के संचालक वकार हुसैन ने इस अवसर पर कहा कि थाना लाइन बाजार पुलिस ने एक सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी, वरिष्ठ समाजसेवी

और मानवाधिकार पदाधिकारी को अपराधी की तरह घंटों थाने के लॉकअप में बंद रखा। उन्होंने इसे पुलिस की भ्रष्ट कार्यशैली और मनगढ़ंत आरोपों की मानसिकता का प्रमाण बताया।हुसैन ने बताया कि ज्ञान कुमार ने इस मामले की शिकायत तत्काल पुलिस अधीक्षक, जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और इलाहाबाद उच्च न्यायालय को ऑनलाइन तथा रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से भेजी है। उन्होंने थाना लाइन बाजार में लगे सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने की भी मांग की है, ताकि पुलिस के कथित फजीर्वाड़े और झूठ का पदार्फाश हो सके।वकार हुसैन ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस अधीक्षक ने घटना को गंभीरता से लिया है। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने का आदेश दिया है और जांच की जिम्मेदारी सीओ सिटी को सौंपी है।बैठक की अध्यक्षता हिंदुस्तान मानवाधिकार के राष्ट्रीय महासचिव वकार हुसैन ने की। इसमें सिविल कोर्ट के डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल अधिकारी डॉ. दिलीप कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्था के जिला महासचिव डॉ. नौशाद अली मिंटू ने किया।

चरक जयंती मनाई और लगाए औषधीय पौधे

झुंझुनूं। जिले के राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय डाबड़ी - बलौदा में चरक सप्ताह के अंतर्गत चरक जयंती का कार्यक्रम श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंगलवार को भगवान चरक की विधिवत पूजा-अर्चना की गई और स्तुति कर उनको याद किया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने चरक की शपथ ली गई तथा आयुर्वेद प्रवर्तक भगवान धन्वंतरि की वंदना भी की गई।

कार्यक्रम में ग्रामीणजनों को महर्षि चरक द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में दिए गए अमूल्य योगदान,चरक संहिता की महत्ता तथा वर्तमान समय में आयुर्वेद की उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही स्वस्थ एवं निरोगी जीवन के लिए आयुर्वेदिक दिनचर्या अपनाने,संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने तथा नियमित एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के प्रति जागरूक भी किया गया।

जयंती मनाने के पश्चात औषधालय के समस्त स्टाफ द्वारा परिसर में हरसिंगार का पौधा लगाया गया तथा ग्रामीणजनों को हरसिंगार के औषधीय एवं स्वास्थ्यवर्धक गुणों के बारे में जानकारी दी गई तथा औषधीय पौधों के संरक्षण और अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर औषधालय के प्रभारी डॉ. अशोक कुमार सोनी, कंपाउंडर सुभाष चंद्र,परिचारक विक्रम सिंह एवं रोगीजन उपस्थित रहे।

खानम आर्ट गैलरी कलेक्शन कृतियों की प्रदर्शनी का न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने किया भव्य उद्घाटन

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। करेली स्थित खानम आर्ट गैलरी में गैलरी कलेक्शन कला प्रदर्शनी 2026 का भव्य उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने फीता काटकर किया। विशिष्ट अतिथियो में रोटरी क्लब के वकार उस्मानी, डॉ. सुबिया करीम अंसारी, हमीदिया गर्ल्स डिग्री कॉलेज की पूर्व प्राचार्या युसुफा नफीस, प्राचार्या नसीहा उस्मानी ,राज्य ललित कला अकादमी के सदस्य प्रख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, एमिनेंट आर्टिस्ट तलत महमूद, मशहूर गैलरी निदेशक डॉ.जाहेदा खानम ,डॉ.सारा मुख्तार व सैयद मुशर्रफ की गरिमामयी उपस्थित रहीं,

इस प्रदर्शनी में भारत के कलाकारों की पेंटिंग एक साथ प्रदर्शित हैं। ये पेंटिंग्स बिक्री के लिए भी उपलब्ध हैं। प्रदर्शनी के साथ

चैरिटी प्रोग्राम भी रखा गया है। बिक्री होने वाली प्रत्येक पेंटिंग की 40% आय शिक्षा और कला से जुड़े चैरिटी कार्यक्रमों में दी जाएगी।

बच्चों की विभिन्न कला प्रतियोगिताएं भी हुईं - पर्यावरण, लोक कला और गैलरी का प्रसिद्ध आजादी आर्ट कॉम्पिटिशन। विजेताओं को प्रमाण पत्र, ट्रॉफी और मेडल दिए गए। निर्णायक मंडल में रवीन्द्र कुशवाहा, तलत महमूद और डॉ.जाहेदा खानम रहीं। कार्यक्रम का संचालन तलत महमूद ने किया। अतिथियों का सम्मान बैच, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर किया गया। गैलरी का सबसे प्रतीक्षित कार्यक्रम बहारे हुनर विद संगम वूमेन आज शुरू होगा। शहर भर की महिलाएं अपने कला, क्राफ्ट और हैंडमेड कलात्मक मनमोहक उत्पाद प्रदर्शनी में लगाया हैं।

बिहार की तर्ज पर यूपी में तावड़े बनेंगे भाजपा के खेवनहार

बिहार की चुनावी बाजी के बाद अब सबसे बड़े सियासी रण की कमान, 2027 में संगठन और सामाजिक समीकरण साधने की चुनौती

वाराणसी। बिहार में चुनावी रणनीति को धार देकर भाजपा-एनडीए को सफलता की राह दिखाने वाले विनोद तावड़े अब उत्तर प्रदेश की सियासी पतवार संभालेंगे। भाजपा ने उन्हें 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए प्रदेश का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। तावड़े के साथ जगदीश पटेल को सह-प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।

यूपी की 403 विधानसभा सीटों का चुनाव बिहार से कहीं बड़ा और राजनीतिक रूप से अधिक निर्णायक है। यही वजह है कि भाजपा नेतृत्व ने संगठन के शांत लेकिन चुनावी रणनीति के माहिर माने जाने वाले तावड़े पर दांव लगाया है। उनकी चुनौती केवल सीटों का गणित साधना नहीं, बल्कि बूथ से लेकर प्रदेश संगठन तक चुनावी मशीनरी को एक सूत्र में पिरोने की होगी।

तावड़े की नियुक्ति को भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की संगठनात्मक रणनीति के अगले चरण के रूप में भी देखा जा रहा है। एक दिन पहले ही नवीन की नई राष्ट्रीय टीम में तावड़े को महत्वपूर्ण स्थान मिला और अगले ही दिन उन्हें देश के सबसे बड़े राजनीतिक राज्य की चुनावी कमान सौंप दी गई।

बिहार की सफलता, यूपी की अग्निपरीक्षा

बिहार में मिली कामयाबी ने तावड़े की रणनीतिक क्षमता पर पार्टी का भरोसा बढ़ाया है। अब वही अनुभव यूपी में आजमाया जाएगा। हालांकि उत्तर प्रदेश का चुनावी भूगोल, जातीय समीकरण और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा बिहार से अलग है। यहां भाजपा के सामने सत्ता की निरंतरता बनाए रखने के साथ 2024 लोकसभा चुनाव के बाद बदले राजनीतिक समीकरणों को साधने की भी चुनौती होगी। ऐसे में तावड़े के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होगा– क्या बिहार में चली चुनावी रणनीति यूपी में भी जीत की पटकथा लिख पाएगी? भाजपा ने उन्हें सिर्फ प्रभारी नहीं बनाया है, बल्कि 2027 के सबसे बड़े सियासी इम्तिहान का रणनीतिकार बनाकर मैदान में उतारा है।

संघ की पाठशाला से सियासत के शिखर तक

विनोद तावड़े की राजनीतिक यात्रा छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से शुरू हुई। 1984 में एबीवीपी से जुड़े, 1989 में महाराष्ट्र के प्रदेश सचिव और 1993-94 में राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बने। 1994 में सक्रिय भाजपा राजनीति में आए।

1995 में पहली बार भाजपा महाराष्ट्र के महासचिव बने। यानी चुनावी राजनीति में उतरने से पहले ही संगठन खड़ा करने का लंबा अनुभव हासिल कर चुके थे।

पद नहीं, संगठन साधने की कार्यशैली

तावड़े की पहचान ऐसे संगठनकर्ता की रही है जो चुनाव को केवल प्रत्याशी और प्रचार तक सीमित नहीं रखते। बूथ, विधानसभा, लोकसभा और सामाजिक समूहों के स्तर पर अलग-अलग रणनीति बनाना उनकी कार्यशैली का हिस्सा माना जाता है। 2023 में वाराणसी में उन्होंने स्पष्ट तौर पर लोकसभा और विधानसभा कोर कमेटियों की नियमित बैठक, सामाजिक-राजनीतिक विश्लेषण और भाजपा से दूर रहे सामाजिक वर्गों तक पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया था।

मंत्री से संगठन के राष्ट्रीय रणनीतिकार तक

2014 में महाराष्ट्र विधानसभा पहुंचने के बाद तावड़े को देवेंद्र फडणवीस सरकार में स्कूली शिक्षा, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, खेल एवं युवा कल्याण, संस्कृति और मराठी भाषा समेत कई महत्वपूर्ण विभाग मिले। इससे पहले वे महाराष्ट्र विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष भी रह चुके थे। 2019 के बाद प्रदेश की सक्रिय राजनीति से बाहर होने के बावजूद संगठन में उनकी भूमिका खत्म नहीं हुई; 2020 में राष्ट्रीय सचिव और नवंबर 2021 में राष्ट्रीय महासचिव बनाए गए। 2026 में वे राज्यसभा पहुंचे।

तावड़े के राजनीतिक पुनरुत्थान में बिहार अहम पड़ाव बना। 2022 से बिहार में संगठन और चुनावी रणनीति पर उनकी सक्रियता बढ़ी। 2025 के विधानसभा चुनाव में भाजपा-एनडीए की रणनीति, जमीनी संगठन और सामाजिक समीकरण साधने में उनकी भूमिका को पार्टी की बड़ी सफलता से जोड़कर देखा गया। यही बिहार का अनुभव अब उन्हें यूपी के मिशन-2027 में सबसे बड़ी जिम्मेदारी तक ले आया है।

रणनीति की खासियत–सामाजिक गणित + संगठन

तावड़े की चुनावी कार्यप्रणाली का एक प्रमुख पक्ष सामाजिक समीकरणों को संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ना है। वाराणसी में 2023 की बैठक में उन्होंने कमजोर प्रभाव वाले सामाजिक समूहों में पहुंच बढ़ाने, युवा मतदाताओं से संवाद और महिला-किसान मोर्चों को सक्रिय करने की रणनीति पर जोर दिया था। यूपी जैसे जातीय और क्षेत्रीय विविधता वाले राज्य में यही क्षमता उनकी सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

काशी से भी रहा है चुनावी नाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से तावड़े का चुनावी जुड़ाव नया नहीं है। अगस्त 2023 में वे भाजपा की लोकसभा प्रवास योजना के तहत वाराणसी पहुंचे और जौनपुर, गाजीपुर व घोसी लोकसभा क्षेत्रों की क्लस्टर बैठक को संबोधित किया। 2024 में भी भाजपा की पहली लोकसभा सूची जारी करते समय तावड़े ने ही नरेंद्र मोदी के वाराणसी से चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। हालांकि उपलब्ध रिकॉर्ड उन्हें वाराणसी का औपचारिक चुनाव प्रभारी नहीं बताता।

यूपी : अब सबसे बड़ी अग्निपरीक्षा

बिहार की सफलता के बाद अब तावड़े के सामने 403 विधानसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश है। भाजपा ने 18 अगस्त 2026 को उन्हें 2027 विधानसभा चुनाव के लिए प्रदेश का चुनाव प्रभारी बनाया है, जबकि गुजरात के जगदीश पटेल सह-प्रभारी होंगे। यूपी में उन्हें संगठन, सामाजिक समीकरण, टिकट वितरण और सत्ता-विरोधी संभावनाओं के बीच तालमेल बैठाने की चुनौती होगी। तावड़े की सबसे बड़ी ताकत किसी एक चुनावी नारे में नहीं, बल्कि लंबे संगठनात्मक अनुभव, दबाव में शांत रहने, विभिन्न सामाजिक वर्गों से संवाद और चुनावी मशीनरी को बूथ स्तर तक सक्रिय करने की क्षमता में बताई जाती है।

गोल्डन जुबली में सजेगा कालीन का वैश्विक बाजार

भदोही। कालीन की महीन बुनावट, रंगों की रवानी और सदियों पुरानी भारतीय कारीगरी एक बार फिर दुनिया के बाजार से सीधा संवाद करने को तैयार है। भदोही के कारपेट सिटी स्थित कारपेट एक्सपो मार्ट में 4 से 7 अक्टूबर तक 50वां इंडिया कारपेट एक्सपो-2026 आयोजित होगा। गोल्डन जुबली संस्करण को भव्य और वैश्विक स्वरूप देने के लिए कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) ने तैयारियां तेज कर दी हैं। वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से होने वाले इस आयोजन में करीब 56 देशों से 400 विदेशी खरीदार और लगभग 350 खरीदार प्रतिनिधियों के पहुंचने की संभावना है। एक्सपो में देश के प्रमुख कालीन क्लस्टरों के निमार्ता और निर्यातक अपने हाथ से बुने कालीन, फ्लोर कवरिंग, नए डिजाइन, रंग संयोजन और आधुनिक कलेक्शन दुनिया के सामने रखेंगे। खास तौर पर छोटे और मध्यम निर्यातकों के लिए यह आयोजन नए बाजार तलाशने और विदेशी खरीदारों से सीधे कारोबारी रिश्ते बनाने का बड़ा अवसर माना जा रहा है। इसका सीधा असर कालीन उद्योग से जुड़े लाखों बुनकरों और कारीगरों की आजीविका पर भी पड़ने की उम्मीद है। भारत की 2026 में इफ्क्र्र अध्यक्षता के मद्देनजर परिषद ने सदस्य देशों के खरीदारों को एक्सपो से जोड़ने पर विशेष जोर दिया है। ब्राजील, रूस, चीन, यूएई, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र और सऊदी अरब समेत अन्य बाजारों के खरीदारों के साथ कारोबारी संपर्क बढ़ाने की कोशिश होगी। इससे भारतीय कालीन के लिए नए निर्यात बाजार खुलने और वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान मजबूत होने की उम्मीद है। कालीन उद्योग की मांग एवं उद्योग जगत से प्राप्त सुझावों को ध्यान में रखते हुए, परिषद के अध्यक्ष मुकेश कुमार गोम्बर की अध्यक्षता में आयोजित 210वीं बैठक में एक्सपो की अवधि तीन से बढ़ाकर चार दिन करने का निर्णय लिया गया है। निर्यातकों को वाणिज्य मंत्रालय के सहयोग से सब्सिडी आधारित सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। खरीदारों का पंजीकरण शुरू हो चुका है।

एक्सपो में भारतीय निर्यातकों के लिए स्टॉल बुकिंग 20 अगस्त को सुबह 11:30 बजे से ऑनलाइन शुरू होगी। विभिन्न श्रेणियों के लिए दरें तय की गई हैं। भूतल हॉल ?5,500, भूतल शॉप ?6,000, प्रथम तल शॉप ?3,500, ऊपरी हॉल ?5,000 और द्वितीय तल शॉप ?3,500 प्रति वर्ग मीटर निर्धारित है। इन दरों पर नियमानुसार जीएसटी अतिरिक्त देय होगा। गोल्डन जुबली एक्सपो भदोही के कालीन उद्योग के लिए सिर्फ चार दिन का व्यापारिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय हस्तशिल्प की वैश्विक पहचान को नई ऊंचाई देने का बड़ा अवसर बनने जा रहा है।

श्रावण मास की पावन पर्व पर रुद्राभिषेक संपन्न

मुंबई। विक्रोली पार्कसाइट के कैलाश कॉम्प्लेक्स स्थित श्री राम लॉजिस्टिक एवं Accfin सर्विसेस के कार्यालय में कई वर्षों से श्रावण मास के पावन अवसर पर रुद्राभिषेक का आयोजन किया जाता है। इसी परंपरा के तहत शनिवार को राजकुमार साहनी एवं राजन सिंह के संयोजन में रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। पंडित विश्वेश्वर प्रसाद पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक भगवान शिव का रुद्राभिषेक संपन्न कराया। पूजा-अर्चना के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की मंगलकामना की। इस अवसर पर राजकुमार साहनी, सुनीता साहनी, राजन सिंह, पत्रकार आदेश मिश्र, बबनराव गागे, प्रकाश सांगले, मेघा प्रकाश सांगले, राजेश सिंह, चंदन दुबे, युवराज साहनी, कंचन केवट, पंकज केवट, सोनी केवट, स्वाति साहनी, वैष्णवी साहनी, पिंटू दास, श्वेता भोरे, सारिका साबले, प्रदुम्न नयन, सुरेश पांडेय, वाल्मीकि गायकवाड़ सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। रुद्राभिषेक के दौरान हर-हर महादेव और ॐ नमः शिवाय के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

असल्फा निवासी रामदुलार पाठक का निधन

मुंबई। शिवसेना नेता तथा श्री रामलीला उत्सव समिति के सहयोगी असल्फा निवासी संतोष पाठक के पिता समाजसेवी रामदुलार पाठक (85) का सोमवार को हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनके निधन से परिवार, रिश्तेदारों और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। रामदुलार पाठक अपने पीछे पत्नी, पुत्र संतोष पाठक, दो बेटियां, पोता सार्थिक, पोती मधुरता सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। मंगलवार को भटवाड़ी स्थित श्मशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहां उनके पुत्र संतोष पाठक ने मुखाग्नि दी। उनके निधन पर स्थानीय विधायक दिलीप मामा लांडे, शिवसेना प्रवक्ता गुलाबचंद दुबे, शिवसेना नेता जयप्रकाश सिंह, पूर्व नगरसेवक सीताराम तिवारी, नगरसेवक किरण लांडगे, नगरसेवक विजू शिंदे, श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू भइया, भाजपा नेता शुभ्रांशु दीक्षित, भाजपा नेता रामबिलास पाठक, समाजसेवी देवेंद्र प्रताप सिंह, जेएमडी ग्रुप के चेयरमैन हरीश पांडेय,युवा कांग्रेस नेता चंद्रेश दुबे, कमल जोशी,पत्रकार आदेश मिश्र,बल्ले सिंह,दानिश जी,दिनेश सिंह,अनिल शुक्ला सहित तमाम शुभचिंतकों एवं गणमान्य लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की। सभी ने दिवंगत पुण्यात्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

हजारों कांवरियों के हर हर महादेव के जयघोष से गूंजा गोरेगांव

मुंबई। गोरेगांव सकल हिंदू समाज की तरफ से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पवित्र श्रावण मास में भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया,जो गोरेगांव (पश्चिम) के प्रेमनगर से चलकर राम मंदिर रोड पर के पास राम मंदिर देवस्थान पर समाप्त हुआ। राम मंदिर देवस्थान पर समाजसेवक मनोज जयनाथ यादव ने अपनी संस्था स्वर्गीय जयनाथ यादव प्रतिष्ठान के माध्यम से हजारों कांवरियों को महाप्रसाद अन्नग्रहण करवाया। इस अवसर पर नगरसेवक संदीप पटेल, चेतन भट्ट, गौरव राने, राहुल उपाध्याय, कुन्फू मास्टर प्रदीप यादव, अशोक सहनी, अमरीश यादव व संस्था के कई पदाधिकारियों ने कांवरियों के स्वागत सम्मान के साथ-साथ प्रसाद वितरण किया। इस मौके पर हजारों कांवरियों ने हर हर महादेव के जयघोष के साथ देवस्थान पर जल चढ़ाएं।

पीएनजी ज्वेलर्स के सीएमडी डॉ. सौरभ गाडगीळ के अपनी पहली पुस्तक चूजिंग गोल्ड का विमोचन

पुणे। भारत की सबसे पुरानी व्यावसायिक विरासतों में से एक की जिम्मेदारी उन्होंने अपनी मध्य तीस की उम्र में संभाली। आज पीएनजी ज्वेलर्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सौरभ गाडगीळ अपनी पहली पुस्तक चूजिंग गोल्ड के माध्यम से उस विरासत से जुड़ी अपनी पूरी यात्रा की कहानी साझा कर रहे हैं। इस पुस्तक का राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशन पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा किया गया है। चूजिंग गोल्ड एक बेहद ईमानदार और व्यक्तिगत पुस्तक है। यह उस व्यक्ति की कहानी है, जिसने कम उम्र में भारत की सबसे पुरानी व्यावसायिक विरासतों में से एक को संभाला और अब ४९ वर्ष की आयु में अपनी इस अद्भुत यात्रा को लोगों के सामने ला रहे हैं। यह कहानी दुनिया उन्हें बाहर से जिस तरह देखती है, उसकी नहीं, बल्कि उस यात्रा की है, जिसे उन्होंने वास्तव में जिया है। यह पुस्तक उन महत्वपूर्ण क्षणों की कहानी बताती है, जिन्होंने डॉ. गाडगीळ के व्यक्तित्व को आकार दिया, उनके दादा और मां के साथ हुई वे बातचीत, जो जीवनभर उनके साथ रहीं; वे सीख, जिनका वास्तविक अर्थ समय बीतने के साथ समझ में आया; और वे कठिन निर्णय, जिन्होंने उनकी दृढ़ता और विश्वास की परीक्षा ली तथा अंततः उनके सही साबित होने का मार्ग प्रशस्त किया। पीएनजी ज्वेलर्स की १९४ वर्ष पुरानी विरासत इस यात्रा की पृष्ठभूमि है। लेकिन इस पुस्तक के केंद्र में स्वयं डॉ. गाडगीळ हैं–उनका विकास, उनके निर्णय, उनके संघर्ष और अपने से पहले की विरासत का सम्मान करते हुए अपनी राह स्वयं बनाने का साहस। पीएनजी ज्वेलर्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सौरभ गाडगीळ ने कहा, अपने जीवन के अधिकांश समय में मैं इस यात्रा को जीने में इतना व्यस्त था कि कभी रुककर इसे समझने और परखने का अवसर ही नहीं मिला। जिन सवालों को मैं लगभग तीन दशकों से टालता आया था, उन्हें पूछने के लिए इस पुस्तक को लिखते हुए मैं स्वयं मजबूर हुआ। अपने किन फैसलों पर मुझे वास्तव में गर्व है? कौन-से फैसले आज भी मुझे बेचैन करते हैं? मैंने किन बातों को अपनी समझदारी से सही किया और किन्हें महज अपनी किस्मत से?

सैजेरैक ने लॉन्च किए अमेरिकन वूल्फ और सदर्न कंफर्ट के नए व्हिस्की ब्रांड

मुंबई। दुनिया की सबसे बड़ी डिस्टिल्ड स्पिरिट्स कंपनियों में से एक सैजेरैक कंपनी ने भारत में दो नए अमेरिकन व्हिस्की ब्रांडः अमेरिकन वूल्फ डबल गोल्ड ब्लेंडेड व्हिस्की और सदर्न कंफर्ट रिजर्व व्हिस्की, लॉन्च करने की घोषणा की है। दोनों व्हिस्की में किसी भी तरह के आर्टिफिशियल फ्लेवरिंग का इस्तेमाल नहीं किया गया है। दोनों ब्रांडों की शुरूआत पुणे, नागपुर और नासिक से होगी, जिसके बाद चरणबद्ध तरीके से महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के अन्य बाजारों में इनकी उपलब्धता बढ़ाई जाएगी। भारत दुनिया का सबसे बड़ा व्हिस्की बाजार है और इन दोनों ब्रांडों की लॉन्चिंग सैजेरेक के भारत में विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी भारतीय उपभोक्ताओं के लिए इंडियन ग्रेन और माल्ट स्प्रिरिट्स के साथ ब्लेंडेड अमेरिकन व्हिस्की का स्वाद और अनुभव लेकर आई है। सैजेरैक के वाइस प्रेसिडेंट-ग्लोबल मार्केटिंग डिएगो बियांची ने कहा, भारत एक तेजी से विकसित हो रहा और संभावनाओं से भरा व्हिस्की बाजार है। हम यहां के उपभोक्ताओं को अमेरिकन व्हिस्की के स्वाद, खासियत और विरासत से परिचित कराने का बड़ा अवसर देखते हैं। अमेरिकन वूल्फ और सदर्न कंफर्ट रिजर्व व्हिस्की के जरिए हम बाजार में दो बिल्कुल अलग तरह के विकल्प पेश कर रहे हैं, जो एक दमदार अंदाज, महत्वाकांक्षा और अपनी अलग पहचान से जुड़ा है, जबकि दूसरा सहज, आसान और आरामदायक अनुभव पर केंद्रित है।

वंदे मातरम के गान को बीच में रोकने का बोलकर सोनिया गांधी ने इसका अपमान किया है

मुंबई। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के निंबाहेड़ा में रविवार के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फीट ऊँची भव्य प्रतिमा के अनावरण समारोह में जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंच पर खड़े हुए, तो वहाँ सिर्फ अटल जी की यादें ही नहीं गूँजी, वहाँ गूँजा एक ऐसा संदेश, जिसने पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया। भारतीय राजनीति को नए पहचान दिलाने वाले अमित शाह ने उस दिन कांग्रेस की उस मानसिकता पर प्रहार किया, जिसने दशकों तक वंदे मातरम् को हाशिये पर धकेल रखा था। भारत के स्वतंत्रता संग्राम की कल्पना कीजिए। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ सड़कों पर उतरता देश, हाथों में तिरंगा और जुबान पर एक स्वर वंदे मातरम! यह केवल एक गीत नहीं था, यह गुलामी के विरुद्ध भारत के आत्मसम्मान की हुंकार था। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की लेखनी से निकला यह राष्ट्रगीत देखते ही देखते स्वतंत्रता आंदोलन की चेतना बन गया। 1896 में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में इसका गायन किया और आगे चलकर यह क्रांतिकारियों से लेकर सामान्य नागरिकों तक के लिए राष्ट्रभक्ति का मंत्र बन गया। हजारों-लाखों क्रांतिकारियों ने वंदे मातरम का जयघोष करते हुए फाँसी के फंदे को चूमा, गोलियाँ खाईं, लाठियाँ सह लीं और जेल की काली कोठरियों में सालों गुजारे। लेकिन सत्ता के लंबे कालखंड में कांग्रेस ने वोट बैंक की लालसा में इस पवित्र मंत्र को लगभग भुला दिया। स्वतंत्रता के बाद के दशकों में इसे कभी वह सम्मान नहीं मिला, जिसका वह हकदार था। कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति ने इसे बार-बार विभाजित और कमजोर करने की कोशिश की। फिर आया वह क्षण, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वंदे मातरम् को जन-गण-मन के समान राष्ट्रगान का दर्जा दिया गया। कानूनी संरक्षण मिला। लाल किले की प्राचीर से भी यह गान गूँजा। अस्सी साल बाद यह अमर गीत फिर से अपने गौरव को प्राप्त कर रहा था। लेकिन ठीक इसी समय कांग्रेस मुख्यालय में एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने देश को स्तब्ध कर दिया। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में जब वंदे मातरम् का गान चल रहा था, तब सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष को बीच में ही गान रोकने का इशारा किया। टीवी और कैमरों पर पूरा देश इस अपमान को देख रहा था। सोनिया गांधी के द्वारा किया गया यह पाप देश कभी माफ नहीं करेगा। अगर थोड़ी भी शर्म बची है तो सोनिया गांधी को बंकिम बाबू की अमर आत्मा और देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

आधुनिक भारत के चाणक्य के रूप में जाने जाने वाले अमित शाह ने इस मौके पर कांग्रेस की उस नीति को बेनकाब किया, जिसने वोट बैंक के चलते वंदे मातरम् को भुला दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस ने वोट बैंक की लालच में इस गीत को किनारे कर दिया था। लेकिन मोदी जी ने इसे नया आयुष्य दिया। अब जब यह गीत फिर से सम्मान पा रहा है, तब कांग्रेस को यह रास नहीं आ रहा। शाह का पूरा भाषण वंदे मातरम् की गरिमा और कांग्रेस की निर्लज्जता पर केंद्रित रहा। पूरा देश देख रहा है कि जब मोदी सरकार ने इसे राष्ट्रगान के समान कानूनी संरक्षण दिया, तब भी कांग्रेस के भीतर से असहजता झलकती रही। और जब स्वतंत्रता दिवस पर पूरा देश इस गीत को गौरव से गा रहा था, तब कांग्रेस मुख्यालय में इसे अधूरा छोड़ने की कोशिश की गई। अमित शाह ने इसे पाप करार दिया और साफ चेतावनी दी कि जनता इसे कभी माफ नहीं करेगी।

गैलेक्सी अकके वैश्विक विकास में चमका भारत

मुंबई। सैमसंग इंडिया ने अपने अगली पीढ़ी के फोल्डेबल स्मार्टफोन्स–गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी Z फोल्ड8 और गैलेक्सीZ फ्लिप8–के सफल वैश्विक लॉन्च के बाद गैलेक्सी अकके विकास में अपने नोएडा और बेंगलुरु स्थित रिसर्च एंड डेवलपमेंट (R&D) सेंटर्स के बढ़ते रणनीतिक योगदान को रेखांकित किया है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि भारत के R&D सेंटर्स में विकसित की जा रही नई तकनीकें और जानकारियां अब सैमसंग के दुनिया भर के इनोवेशन और अकरोडमैप का मुख्य हिस्सा बन रही हैं। भारतीय R&D टीम द्वारा तैयार किया गया 'पे नाउ' (Pay Now) फीचर इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है, जो नए फोल्डेबल डिवाइसेज के 'नाउ ब्रीफ' सेक्शन में विशेष रूप से भारतीय ग्राहकों के लिए पेश किया गया है। यह स्मार्ट फीचर यूजर्स को आने वाले बिल पेमेंट्स की याद दिलाता है और सैमसंग वॉलेट के माध्यम से एक क्लिक में सुरक्षित भुगतान करने में मदद करता है। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने R&D में भारत की भूमिका पर जोर देते हुए कहा, हमारे नोएडा और बेंगलुरु के R&D सेंटर ने गैलेक्सी अकको लॉन्च करने और आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई है। भारत में दुनिया का सबसे बेहतरीन इंजीनियरिंग टैलेंट मौजूद है और हमारे इंजीनियर इस बात पर ध्यान दे रहे हैं कि लोग रोजमर्रा की जिंदगी में तकनीक का इस्तेमाल कैसे करते हैं। चाहे बात वित्तीय प्रबंधन की हो, स्मार्ट होम कंट्रोल की हो या बुजुर्गों के लिए हेल्थ अलर्ट की–हम इन जानकारियों को ऐसे व्यावहारिक अकएक्सपीरियंस में बदल रहे हैं जो जीवनशैली को और बेहतर बनाएं। सैमसंग का भारत में दीर्घकालिक निवेश केवल प्रोडक्ट डेवलपमेंट तक सीमित नहीं है, बल्कि कंपनी देश में अपनी इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और भारतीय स्टार्टअप्स के साथ मिलकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्च को बढ़ावा दिया जा रहा है। टीम विस्तार से अधिक पेटेंट पोर्टफोलियो बढ़ाने को प्राथमिकता देते हुए जेबी पार्क ने कहा, ऽहमारी प्राथमिकता सिर्फ इंजीनियरिंग टीम बढ़ाना नहीं, बल्कि भारत से नई और अपनी तकनीक तैयार करना है।

सिद्धांतों से कभी समझौता न करने वाले अटल जी ने देश को परमाणु शक्ति संपन्न बनाया

मुंबई। धूल भरी हवा में झंडे लहरा रहे थे। राजस्थान के निंबाहेड़ा की धरती पर हजारों आँखें एक ही दिशा में टिकी थीं। अचानक सन्नाटा टूटा। सफेद कपड़े में लिपटी वह विशाल आकृति धीरे-धीरे उजागर होने लगी। इक्कीस फीट ऊँची अष्टधातु की प्रतिमा। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी। मेवाड़ की वीर भूमि पर खड़ी वह मूर्ति मानो समय को चुनौती दे रही थी। राजस्थान में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा के अनावरण का अवसर इसी विराट व्यक्तित्व को स्मरण करने का अवसर बना। यह केवल एक प्रतिमा का अनावरण नहीं, बल्कि उस राजनीतिक परंपरा के प्रति सम्मान का प्रतीक है, जिसमें सत्ता साध्य नहीं, राष्ट्रसेवा साध्य थी। उसी क्षण, किसी के जेहन में गूँज उठा पोखरण का वह ऐतिहासिक दिन, जब सिद्धांतों से कभी समझौता न करने वाले अटल जी ने देश को परमाणु शक्ति संपन्न बनाया था। 11 और 13 मई 1998 को राजस्थान की धरती पर पोखरण में परमाणु परीक्षणों की गूँज सुनाई दी और पूरी दुनिया को पता चल गया कि भारत अब अपनी सुरक्षा के फैसले किसी बाहरी दबाव में नहीं करेगा। अंतरराष्ट्रीय दबाव था। प्रतिबंधों की आशंकाएं थीं। लेकिन अटल जी का संकल्प स्पष्ट था - राष्ट्रहित सर्वोपरि है। यह केवल परमाणु परीक्षण नहीं था। यह भारत के आत्मविश्वास की घोषणा थी। अटल जी का जीवन कई भूमिकाओं का संगम था। वे पत्रकार थे। कलम से राष्ट्रवाद लिखते थे। पाञ्चजन्य और स्वदेश जैसे प्रकाशनों के माध्यम से देशभक्ति की अलख जगाते रहे। वे कवि थे। शब्दों से राष्ट्रभक्ति बुनते थे। उनकी कविताएँ दिल को छू जाती थीं, साहस जगाती थीं। फिर वे प्रधानमंत्री बने। सत्ता की कुर्सी पर बैठकर भी उन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा और सुशासन को आगे बढ़ाया। पत्रकार, कवि व प्रधानमंत्री हर भूमिका में अटल जी के लिए राष्ट्रहित था सर्वोपरि। इसीलिए वे अजातशत्रु कहलाए। कोई उनका शत्रु नहीं बन सका, क्योंकि उनके हर निर्णय में देश पहले आता था। आज मोदी सरकार ने उसी महान व्यक्तित्व को नई ऊँचाई दी है। निंबाहेड़ा में भाजपा कार्यकताओं ने एक करोड़ पचास लाख रुपये की लागत से यह भव्य प्रतिमा स्थापित की। पोखरण परीक्षण की झलक वाले प्लेटफॉर्म के साथ यह स्मारक सिर्फ पत्थर नहीं, स्मृति का जीवंत दस्तावेज बन गया है। अटल जी की पुण्यतिथि पर यह सम्मान देश को याद दिलाता है कि सच्चे नेता कभी मरते नहीं। वे पीढ़ियों में जीवित रहते हैं। और यहीं से वर्तमान की कहानी में अमित शाह का किरदार सामने आता है।

बाटा इंडिया ने 93वीं एजीएम में आगे के विकास के लिए नए उत्पादों और बेहतर ग्राहक अनुभव पर जोर दिया

मुंबई/नई दिल्ली। भारत के भरोसेमंद फुटवियर ब्रांड बाटा इंडिया ने आज अपनी 93वीं एनुअल जनरल मीटिंग में अपने विकास के अगले चरण की योजना साझा की। कंपनी ने एक मजबूत, तेज और ग्राहकों पर केंद्रित कारोबार बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बाटा इंडिया की नई रणनीति में नए और बेहतर उत्पाद, बेहतर कामकाज, डिजिटल तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल और उत्पादों की श्रेणी में बदलाव शामिल हैं। इसके जरिए कंपनी टिकाऊ और लाभदायक विकास हासिल करने के साथ भारत के तेजी से बदलते फुटवियर बाजार में अपनी मजबूत स्थिति को और बेहतर बनाना चाहती है। लगभग एक सदी से बाटा भारत में लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा रहा है। कई पीढ़ियों से कंपनी ने ग्राहकों का भरोसा हासिल किया है। अब कंपनी इस भरोसे को आज के बदलते ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार नए और आधुनिक तरीके से आगे बढ़ाना चाहती है। आज ग्राहक फुटवियर में आराम, स्टाइल, सही कीमत और आसान खरीदारी सुविधा इन सभी चीजों की उम्मीद करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए बाटा अपने उत्पादों की रेंज, दुकानों में खरीदारी का अनुभव, डिजिटल सेवाओं और काम करने के तरीकों में बदलाव कर रहा है।

इस सफर में रिटेल कारोबार की महत्वपूर्ण भूमिका है। बाटा इंडिया इस समय देश के सबसे बड़े फुटवियर रिटेल नेटवर्क के जरिए लाखों ग्राहकों तक पहुंचती है। कंपनी के 2,000 से अधिक ब्रांड स्टोर और 775 से अधिक फ्रेंचाइजी स्टोर हैं। इसके अलावा, कंपनी मल्टी-ब्रांड डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, D2C प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन मार्केटप्लेस और ओम्नीचैनल सेवाओं का भी इस्तेमाल करती है। कंपनी के 1,000 से अधिक स्टोर्स में ओम्नीचैनल सुविधा उपलब्ध है और 70% स्टोर्स हाइपरलोकल डिलीवरी के लिए तैयार हैं। इसलिए बाटा का लक्ष्य केवल स्टोर्स की संख्या बढ़ाने पर नहीं है, बल्कि हर जगह ग्राहकों को बेहतर, आसान और सुविधाजनक खरीदारी अनुभव देने पर है।

एजीएम में बोलते हुए बाटा इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन अश्वनी विंडलास ने कहा, वित्त वर्ष 2025-26 बाटा इंडिया के लिए योजनाबद्ध बदलावों का साल रहा। हम कंपनी की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को मजबूत कर रहे हैं, कामकाज में तेजी और लचीलापन ला रहे हैं और कारोबार को टिकाऊ विकास के लिए तैयार कर रहे हैं। इन बदलावों के केंद्र में उत्पादों की बेहतर गुणवत्ता, आधुनिक डिजाइन, ज्यादा आराम और सही कीमत पर अच्छे उत्पाद देने की हमारी प्रतिबद्धता है। इन प्रयासों से पीढ़ियों से ग्राहकों का बाटा ब्रांड पर बना भरोसा और मजबूत होगा और ग्राहकों को मिलने वाले मूल्य को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने आगे कहा, बाहरी कारोबारी माहौल अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं। इसलिए लगातार योजना बनाना और परिस्थितियों के अनुसार तेजी से फैसले लेना जरूरी है। अलग-अलग जगहों से उत्पादों की खरीद, स्टॉक का व्यवस्थित प्रबंधन और तेजी से काम पूरा करने की क्षमता की वजह से हमारी टीम ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। आने वाले समय को देखते हुए हम सावधानी के साथ आशावादी हैं। अभी काफी काम बाकी है, लेकिन हमारी दिशा स्पष्ट है और काम को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।